RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:262 ता. 14 अप्रेल 2023, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश में रोजगार मेले का किया आगाज, देश के 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र

युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत में बैसाखी के पर्व को लेकर लोगों को शुभकामनाएं दीं। 70 हजार से ज्यादा लोग केंद्र सरकार में जॉब करेंगे।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश से रोजगार मेले का आगाज कर दिया है। इसके तहत देश के 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। पीएम मोदी ने इन युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। 71,000 युवाओं को एक साथ नियुक्ति पत्र दिये जाने पर वहां मौजूद युवा भी काफी खुश नजर आए। पीएम मोदी ने कार्यक्रम में रिमोट दबाकर इस राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत की है।

जानकारी के मुताबिक, इन सभी नवनियुक्ति कर्मियों को ट्रेन मैनेजर, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, स्टेशन मैनेजर, स्टोनोग्राफर, कॉन्स्टेबल, कनिष्ठ लेखापाल, डाक सहायक, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स सहायक, शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और पीएम समेत अन्य पदों पर नौकरी दी

जाएगी।

युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत में बैसाखी के पर्व को लेकर लोगों को शुभकामनाएं दीं। पीएम ने कहा कि 70 हजार से ज्यादा लोगों को केंद्र सरकार में नौकरी का नियुक्ति पत्र भेजा गया है। पीएम ने नौकरी पाने वाले युवाओं को भी शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि

पीएम मोदी ने इन युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। 71,000 युवाओं को एक साथ नियुक्ति पत्र दिये जाने पर वहां मौजूद युवा भी काफी खुश नजर आए। पीएम मोदी ने कार्यक्रम में रिमोट दबाकर इस राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुआत की है।

इस वक्त देश में भाजपा शासित राज्यों में युवाओं को सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। बुधवार को एमपी में 22,000 से ज्यादा शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपी गई है।

कर्नाटक भाजपा में नहीं थम रहा नाटक, पूर्व ष्टरूबागी होकर लड़ेंगे और मंत्री ने छोड़ी पार्टी

पीएम मोदी ने कहा कि कोविड की वजह से कई देशों की अर्थव्यवस्था बिगड़ी है। लेकिन भारत को नए अवसर के तौर पर देखा जा रहा है। एक वक्त था जब भारत में इन्फ्रांस्ट्र्चर और तकनीक पर सिर्फ रिएक्टिव अप्रोच के तौर पर काम करता था लेकिन साल 2014 के बाद से भारत प्री-एक्टिव के तौर पर काम कर रहा है। पीएम ने कहा कि स्टार्ट-अप से युवाओं में गजब का उत्साह है।

पीएम मोदी ने युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि आज देश में कई नए स्टेडियम बन रहे हैं। देश में स्पोर्ट्स का बजट दोगुना हुआ है जिसकी वजह से युवाओं के लिए नये अवसर बन रहे हैं। पीएम ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान गांव से लेकर शहरों तक भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर पैदा करने वाला अभियान है। आज आधुनिक सैटेलाइट से लेकर सेमी हाई-स्पीड ट्रेन तक भारत में ही बन रहे हैं। बीते 8-9 बरसों में देश में 30,000 हजार से ज्यादा सुरक्षित कोच बनाए गए हैं।

वंदे भारत के बाद अब 'हाइड्रोजन ट्रेन' के लिए हो जाएं तैयार

नई दिल्ली। वंदे भारत की सवारी का मजा ले रहे देश को अब हाइड्रोजन ट्रेन की भी सौगात मिलने वाली है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को एक बार फिर दिसंबर 2023 तक हाइड्रोजन ट्रेन मिलने की बात दोहराई है। कहा जा रहा है कि ग्रीन इनीशिएटिव्स या हरित पहलुओं के लिहाज से यह कदम काफी अहम होगा। फिलहाल, कई देशों में इस तरह की रेलगाड़ियों का सीमित इस्तेमाल जारी है।

क्या हैं हाइड्रोजन ट्रेन

ये रेलगाड़ियां डीजल इंजन के बजाए हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स का

इस्तेमाल करती हैं। यहां हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को बदलकर बिजली पैदा करते हैं, जो ट्रेन की मोटर को पावर देने में काम आती है। खास बात है कि हाइड्रोजन ट्रेन कार्बन डाईऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड्स या पर्टिकुलेट मैटर जैसे हानिकारक प्रदूषकों का उत्सर्जन नहीं करती हैं।

क्यों हैं मुश्किलें

दरअसल, हाइड्रोजन ट्रेन की लागत को सबसे बड़ी मुश्किल माना जा रहा है। रिसर्च और रेटिंग एजेंसी ICRA के अनुसार, भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की कीमत करीब 492 रुपये प्रति किलो है। माना जाता है कि डीजल इंजन के मुकाबले फ्यूल सेल आधारित इंजन को चलाने में 27 फीसदी खर्च ज्यादा आएगा। इसके साथ ही स्टोरेज समेत कई अन्य खर्च भी होंगे। फरवरी में ही रेल मंत्रालय ने जानकारी दी थी कि 'हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज' के तहत 35 हाइड्रोजन ट्रेन चलाने पर विचार किया जा रहा है। सरकार ने प्रति ट्रेन 80 करोड़ रुपये और इंफ्रास्ट्रक्चर पर 70 करोड़ रुपये प्रति मार्ग के खर्च का अनुमान लगाया था। संभावनाएं हैं कि जींद-सोनीपत के बीच पहले प्रोटोटाइप का ट्रायल 2023-24 में हो सकता है।

खत्म होगा दिल्ली का जल संकट; सरकार का यह प्रयास

इन इलाकों में लगेंगे 587 ट्यूबवेल

नई दिल्ली। गर्मी में पानी की किल्लत दूर करने के लिए दिल्ली सरकार अलग-अलग इलाकों में 587 नए ट्यूबवेल लगाएगी। ट्यूबवेल के पानी को शुद्ध करने के लिए 11 अलग-अलग जगहों पर जल शोधन संयंत्र भी लगाए जाएंगे। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में इतने ट्यूबवेल के साथ ही पानी को साफ करने वाले सयंत्र भी लगाए जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि दिल्ली के लोगों को इस गर्मी में पानी की समस्या से थोड़ी राहत मिलेगी।

कई जगहों पर अभी अड़चन

नजफगढ़, बवाना, निलोठी, रोहिणी, ओखला, द्वारका के अलावा यमुना के किनारे भी ट्यूबवेल लगाने की तैयारी हो चुकी है। बारापुला क्लोवर लीव नोएडा मोड पर सात और अक्षरधाम पर आठ ट्यूबवेल लगाने का काम पूरा हो गया है। वहीं, बवाना में 15 ट्यूबवेल लगाने का काम अंतिम चरण में है। बाकी जगहों पर कहीं जमीन को लेकर अड़चनें हैं तो कहीं पर निविदा की प्रक्रिया चल रही है। सरकार का कहना है जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। पानी की चोरी रोकने के लिए फ्लो मीटर लगेंगे दिल्ली में जल बोर्ड के 26 लाख से अधिक उपभोक्ता हैं। इनमें 58 फीसदी नॉन रेवन्यू हैं। कईजगहों पर पानी लीकेज की दिक्कत है तो कई जगहों पर पानी की चोरी की जा रही है। इसके लिए सरकार सभी लाइनों पर फ्लो मीटर लगाएगी। वर्तमान में दिल्ली में 4,919 ट्यूबवेल हैं। दिल्ली को 1250 एमजीडी पानी की जरूरत है। 943 एमजीडी पानी का उत्पादन दिल्ली में हो रहा है। 587 ट्यूबवेल का काम पूरा हो जाने के बाद ऐसा माना जा रहा है कि दिल्ली में पानी की किल्लत खत्म हो जाएगी। हालांकि, यह देखने वाली बात होगी कि दिल्ली के लोगों के लिए पानी की किल्लत खत्म होती है या उसी तरह बनी रहती है। 587 ट्यूबवेल लगने के बाद हो सकता है समस्या पूरी तरह से ना खत्म हो पर दिल्ली के लोगों को राहत जरूर मिलेगी।

किस इलाके में कितने ट्यूबवेल

दिल्ली सरकार राज्य में 587 नए ट्यूबवेल बना रही है। इनमें से सबसे ज्यादा ट्यूबवेल भलस्वा इलाके में लगाए गए हैं। भलस्वा में कुल 150 ट्यूबवेल का काम हुआ है जबकि निलोठी में 100 ट्यूबवेल लगाए गए हैं। इसी तरह रोहिणी में 85 ट्यूबवेल वहीं नजफगढ़ में 50 ट्यूबवेल के साथ ही द्वारका में भी 45 ट्यूबवेल लगाए गए हैं। इसी तरह बवाना में 15 और अक्षरधाम में 8 ट्यूबवेल लगाए गए हैं।

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में रेड अलर्ट

2 संदिग्धों की तलाश, एक और जवान की गोली लगने से मौत

लुधियाना। पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में सेना के 4 जवानों को गोलियां मारने वाले 2 संदिग्ध हमलावरों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उनका सुराग लगाने के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। दूसरी तरफ घटना के 24 घंटे बीत जाने के बावजूद मिलिट्री एरिया में रेड अलर्ट जारी है। मिलिट्री एरिया के स्कूल आज भी बंद कर दिए गए हैं। इस बीच गुरुवार सुबह मिलिट्री स्टेशन के अंदर एक और सैनिक की गोली लगने से मौत हो गई। बुधवार रात को यूनिट के ऑफिस के नजदीक यह वाकया हुआ। जांच में पता चला कि संतरी की ड्यूटी

पर तैनात गुर तेजस लहुराज के सिर में गोली लगी है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। मिलिट्री पुलिस जांच कर रही है कि सैनिक ने खुदकुशी की है, किसी ने उसे गोली मारी या फिर यह हादसा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, इसका फायरिंग से कोई रिलेशन नहीं है।

चारों के शव आज उनके घर भेजे जाएंगे-देर रात चारों जवानों का सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। उनके सीने गोलियों से छलनी थे। आज जवानों के शवों को उनके गांव भेज दिया जाएगा। इस बीच, देर रात तक मिलिट्री और पुलिस के उच्चाधिकारियों की बैठक भी जारी रही। अधिकारियों के मुताबिक, गोलियां चलाने वाले फौज की वर्दी में नहीं थे। उन्होंने सादे कपड़े पहन रखे थे। 80 मीडियम रेजिमेंट के ये जवान ऑफिसर्स मेस में गार्ड ड्यूटी पर तैनात थे। आर्मी ने कहा कि फायरिंग सुबह 4:35 बजे हुई। 4 मौतों के अलावा जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस और सेना की टीमें मिलकर इसकी जांच कर रही हैं।

कोविड संक्रमण को लेकर दिल्ली एम्स में मास्क अनिवार्य

नयी दिल्ली। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने कोविड संक्रमण के मामले बढ़ने के मद्देनजर सभी कर्मचारियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है।

एम्स ने गुरुवार को यहां जारी परामर्श में कहा कि सभी कर्मचारियों को एकल प्रयोग या दोबारा प्रयोग किए जाने वाला मास्क पहनना चाहिए। इसके अलावा कर्मचारियों को अपने कार्य स्थलों पर उचित साफ सफाई रखनी चाहिए तथा नियमित रूप से उस स्थल को संक्रमण रहित करना चाहिए।

आंकड़ों के अनुसार वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर कोविड संक्रमण तेजी से फैल रहा है।

हालांकि संक्रमण बहुत तेज नहीं है। अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है। जानकारों का कहना है कि अगले दो-तीन सप्ताह में कोविड संक्रमण में उतार आना शुरू होगा। विशेषज्ञों के अनुसार कोविड संक्रमण निम्न और मध्यम स्तर का है लेकिन बुजुर्गों, बच्चों और गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों को सतर्कता बरतनी आवश्यक है।

कोरोना के केसों में कब से आने लगेगी गिरावट, चिंता के बीच मिली एक राहत भरी खबर

नई दिल्ली। कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड के नए केसों का आंकड़ा 10 हजार को पार कर गया है। गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक एक ही दिन में 10,158 संक्रमित मरीज पाए गए हैं। वहीं देश में कुल ऐक्टिव केस 44,998 हैं। आंकड़े बताते हैं कि ऐक्टिव केस में ज्यादा इजाफा नहीं हुआ है। इसका मतलब रिकवरी रेट अच्छी है। राहत की बात यह है कि कोरोना के ये वेरिएंट ज्यादा ताकतवर नहीं हैं और इस वजह से अस्पताल में भर्ती होने वाले और मरने वालों की संख्या बहुत कम है।

कब कम होंगे कोरोना केस

बुधवार को कोरोना के 7830 नए मामल सामे आए थे। यह आंकड़ा पिछले 223 दिनों में सबसे ज्यादा था। कोरोना से होने वाली मौतों की दर 1.19 प्रतिशत है। वहीं मरीजों की

रिकवरी रेट 98.72 फीसद है। जानकारों का कहा है कि अभी 10-12 दिन कोरोना के मामले इसी तरह बढ़ते रहेंगे और फिर खुद से ही कम होना शुरू हो जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 5,356 लोग रिकवर हुए हैं। इस हिसाब से डेली पॉजिटिव रेट 4.42 प्रतिशत है। वहीं वीकली पॉजिटिव रेट 4.02 फीसदी है।

फिर बनने लगी कोविशील्ड

कोरोना के टीकों की मांग को देखते हुए सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने एक बार फिर से कोविशील्ड का निर्माण शुरू कर दिया है। अदार पूनावाला ने कहा था कि कंपनी के पास कोवावैक्स की 60 लाख बूस्टर डोज उपलब्ध हैं। वहीं 2021 में कोविशील्ड का उत्पादन बंद कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि वैक्सीन की मांग को देखते हुए ही उत्पादन बंद किया गया जो कि अब फिर से शुरू कर दिया गया है।

क्यों बढ़ रहे हैं केस

कोरोना मामलों में इजाफा एक्सबीबी 1.16 वेरिएंट की वजह से हो रही है। यह ओमिक्रोन का ही सब वैरिएंट है। सरकार का कहना हैकि इस सब वेरिएंट पर वैक्सीन असरदायक है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि इस सब वेरिएंट की वजह से असपातल में भर्ती होने वाले मरीजों की सख्या या फिर मृत्यु दर में इजाफा नहीं हुआ है।

आंबेडकर या सूरजमल, राजस्थान में क्यों भड़क उठी हिंसा; चुनाव से पहले 'जाट बनाम जाटव' की तैयारी?

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर में बुधवार रात भारी बवाल हो गया। संविधान निर्माता बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर और जाट राजा महाराजा सूरजमल की मूर्ति लगाने को लेकर विवाद के बाद पथराव और आगजनी तक हो गई। लोगों ने पुलिस को निशाना बनाया तो उग्र भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। दरअसल, चुनाव से पहले एक बार फिर यहां 'जातीय संघर्ष'को हवा दी जा रही है। दो महापुरुषों की मूर्तियों के बहाने जाट बनाम जाटव का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। आइए आपको बताते हैं कि आखिर पूरा विवाद क्या है? भरतपुर का नदबई विधानसभा जाट बाहुल्य इलाका है, जहां करीब 1 लाख 75000 जाट मतदाता हैं। नदबई को भरतपुर से जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित चौराहे पर स्थानीय कांग्रेस विधायक योगेंद्र सिंह अवाना और जिला प्रशासन ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाने का ऐलान किया है। 14 अप्रैल को यह कार्यक्रम प्रस्तावित है। लेकिन जाट समुदाय की मांग है कि इस मुख्य चौराहे पर भरतपुर संस्थापक महाराजा सूरजमल की मूर्ति स्थापित होनी चाहिए। उनका कहना है कि आंबेडकर की

मूर्ति दूसरे चौराहे पर लगाई जाए।

क्यों अचानक उग्र हो गए लोग?

पूर्व राजपरिवार के सदस्य और राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने पत्रकार वार्ता करते हुए यह ऐलान किया कि जाट समुदाय के लोगों को बड़ा दिल दिखाना चाहिए और दलित समाज के महापुरुष भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके बाद जाट समुदाय के लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने शाम होते ही आगजनी करते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस की गाड़ियों पर जमकर पथराव किया। यहां तक की पुलिस को भी जान बचाकर भागना पड़ा। विरोध प्रदर्शनकारियों का यह तांडव पूरी रात चलता रहा। गोरिल्ला युद्ध की तरह प्रदर्शनकारी पुलिस की गाड़ियों पर हमला करते रहे। दरअसल जोगेंद्र सिंह अवाना बसपा के टिकट पर वर्ष 2018 में नदबई से विधानसभा चुनाव जीते थे। फिर कांग्रेस सरकार में शामिल हो गए। अब विपक्ष उन पर जातीय संघर्ष को हवा देकर चुनाव जीतने की कोशिश का आरोप लगा रहा है। दरअसल नदबई विधानसभा सीट जाट बाहुल्य सीट रही है। लेकिन राज परिवार के सदस्य कृष्णेंद्र कौर दीपा से 2018 में जाट समुदाय नाराज हो गया था। इसलिए उन्होंने दीपा को हराने के लिए समुदाय के कई लोगों को खड़ा कर दिया। दीपा को हराने के लिए जाट समुदाय के बहुत से लोगों ने नए चेहरे जोगेंद्र सिंह अवाना को भी मतदान किया था। लेकिन पिछले पांच साल में माहौल एक बार फिर काफी बदल चुका है।

38 साल पहले भी जातीय संघर्ष झेल चुका भरतपुर

करीब 38 वर्ष पहले जिले में कुम्हेर कांड हुआ था जिस में जातीय संघर्ष हुआ था। जाट और जाटव समुदाय के बीच हुए जातीय संघर्ष हुआ में भारी नुकसान हुआ था। कई लोगों की मौत हो गई थी। कई दिनों तक कर्फ्यू लगा रहा।

महात्मा गांधी के बाद, मौलाना आज़ाद के संदर्भ भी पाठ्यपुस्तक से हटाए

नई दिल्ली । स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के संदर्भों को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के तहत कक्षा 11 की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया है। यह महात्मा गांधी की हत्या और स्वतंत्रता के बाद उन्होंने क्या किया, के संदर्भों को हटाने के बाद विवाद के बीच आया है। पाठ्यपुस्तक के पहले अध्याय में संविधान- क्यों और कैसे शीर्षक से, संविधान सभा समिति की बैठकों से मौलाना आज़ाद का नाम हटाने के लिए एक पंक्ति को संशोधित किया गया है। संशोधित पंक्ति अब पढ़ाती है, आमतौर पर, जवाहरलाल नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, सरदार पटेल या बीआर अंबेडकर इन समितियों की अध्यक्षता करते थे। गौरतलब है ?कि आज़ाद ने 1946 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जब उन्होंने संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए भारत की नई संविधान सभा के चुनावों में कांग्रेस का नेतृत्व किया। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में अपने छठे वर्ष में ब्रिटिश कैबिनेट मिशन के साथ बातचीत करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भी किया था। एनसीईआरटी ने इसके अलावा जम्मू और कश्मीर के सशर्त परिग्रहण के संदर्भ भी उसी पाठ्यपुस्तक से हटा दिए गए हैं। किताब के दसवें अध्याय द फिलॉसफी ऑफ द कॉन्स्टीट्यूशन में एक वाक्य हटा कर उसकी जगह लिखा है, उदाहरण के लिए, जम्मू और कश्मीर का भारतीय संघ में विलय संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत अपनी स्वायत्तता की रक्षा करने की प्रतिबद्धता पर आधारित था। बता दें ?कि अगस्त 2019 में केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था, जिससे जम्मू और कश्मीर की स्वायत्त स्थिति समाप्त हो गई थी। दो महीने बाद, अक्टूबर 2019 में, पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया।

मुंबई में बेमौसम बारिश, इस साल अप्रैल में हुई सर्वाधिक बारिश

मुंबई। मुंबई के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार को तड़के आंधी के साथ बेमौसम बारिश होने से शहर में उमस भरी गर्मी से राहत मिली। नगर निकाय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटे में मुंबई में 14.8 मिलीमीटर बारिश हुई। इस साल अप्रैल में सर्वाधिक बारिश हुई है। आईएमडी की वैज्ञानिक सुषमा नायर ने बताया कि यह बारिश एक ''स्थानीय घटना'' है और शहर के केवल पश्चिमी उपनगरों में बारिश हुई। नायर ने कहा, ''सांताक्रूज मौसम केंद्र में 14.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। यह शहर में अप्रैल में दर्ज की गई सर्वाधिक बारिश है। इससे पहले शहर में अप्रैल में सर्वाधिक, 7.2 मिलीमीटर बारिश 22 अप्रैल, 1974 को हुई थी।'' उन्होंने बताया कि कोलाबा मौसम केंद्र में कोई बारिश दर्ज नहीं की गई। अधिकारियों ने बताया कि शहर में देर रात एक बजे से दो बजे के बीच बिजली चमकी और गरज के साथ भारी बारिश हुई। एक अधिकारी के अनुसार, मालवानी दमकल केंद्र और गोरेगांव में 21-21 मिलीमीटर, बोरीवली दमकल केंद्र में 19 मिलीमीटर, एचबीटी ट्रॉमा केयर हॉस्पिटल (जोगेश्वरी) में 17 मिलीमीटर, मरोल दमकल केंद्र में 14 मिलीमीटर और कांदिवली दमकल केंद्र में 12 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। कुछ निचले इलाकों में थोड़ी देर भारी बारिश होने के कारण पानी भर गया।

जेल में बंद ठग सुकेश ने व्हाट्सएप चैट जारी कर किया नया खुलासा

-तेलंगाना के मुख्यमंत्री की बेटी के.कविता, सत्येंद्र जैन व केजरीवाला की मिलीभगत हुई उजागर

नई दिल्ली । जेल में बंद ठग सुकेश चुंद्रशेखर ने उस चैट को सार्वजनिक कर दिया है जिसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री की बेटी के. कविता, सत्येंद्र जैन व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की मिलीभगत सामने आई है। जानकारी के अनुसार कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने जेल में बंद आप नेता सत्येंद्र जैन और बीआरएस नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता के साथ अपनी कथित व्हाट्सएप चैट को सार्वजनिक कर दिया है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजधानी की मंडोली जेल में बंद चंद्रशेखर पर एक व्यवसायी की पत्नी से 200 करोड़ रुपये वसूलने का आरोप है। बुधवार को जारी कथित बातचीत में चंद्रशेखर ने आरोप लगाया है कि दिल्ली आबकारी नीति घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप), दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और बीआरएस नेता के बीच संबंध हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना, चंद्रशेखर ने आप और केजरीवाल पर उनके साथ कई अनुबंध और व्यापारिक सौदे करने का आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा, यही एप्लीकेशन और अटैच चैट्स आम आदमी पार्टी, अरविंद केजरीवाल और बीआरएस नेता के. कविता के बीच की कड़ी को उजागर करती हैं, जो दिल्ली शराब घोटाले में शामिल हैं। सुकेश चंद्रशेखर द्वारा लगाए गए आरोपों ने शराब नीति घोटाले में राजनीतिक नेताओं की भूमिका को लेकर चिंता बढ़ा दी है। आगे की पूछताछ से मामले में अतिरिक्त जानकारी मिलने की संभावना है। चंद्रशेखर ने अपने पत्र में कहा है कि आवेदन और चैट संलग्न आम आदमी पार्टी, अरविंद केजरीवाल और कविता के बीच सांठगांठ को दर्शाता है, जो कथित तौर पर दिल्ली शराब नीति घोटाले में शामिल हैं। सौंपी गई कथित चैट के स्क्रीनशॉट के अनुसार, यह स्पष्ट है कि सुकेश चंद्रशेखर की एक व्यक्ति के साथ कोडेड बातचीत हुई थी, जिसका नंबर कविता अक्का टीआरएस के रूप में सेव था। एक मैसेज में भेजने वाले ने लिखा, एके भाई पैकेज देना है। यह मेरे पास तैयार है। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि यह पैकेज 15 करोड़ रुपये की राशि दर्शाता है। एक अन्य चैट में एक मोबाइल नंबर उसके फोन पर सेव नहीं था और सत्येंद्र जैन का होने का दावा किया गया था, जिसमें से एक संदेश में लिखा था, भाई घी टिन तैयार। हां भाई 15 किलो। चंद्रशेखर ने दावा किया कि उनके कोड वर्ड में घी का मतलब पैसे से है और 15 किलो का मतलब 15 करोड़ रुपये होता है। उन्होंने उसी चैट में बड़े भाई को सूचित करें भी लिखा, जिस पर रिसीवर ने जवाब दिया, एके भाई जानता है।

रजौरी में हथियारों और गोला-बारूद के साथ पाक ड्रोन बरामद

जम्मू । सुरक्षा बलों ने जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले में हथियारों और गोला-बारूद के साथ एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि 12-13 अप्रैल 2023 की रात को भारतीय सेना के सतर्क सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ समन्वय में पाकिस्तान से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर भारतीय क्षेत्र में आए एक ड्रोन को राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर के बेरी पट्टन इलाके में बरामद किया। प्रवक्ता ने बताया कि एके-47 के 131 राउंड, पांच मैगजीन और दो लाख रुपए नकद भी बरामद किए गए हैं। मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि फिलहाल तलाशी अभियान जारी है।

रेल यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट से रेलवे परेशान

-वंदे भारत ट्रेनों की स्थिति भी बिगड़ रही, नहीं आ रहे यात्री

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे लगातार भले ही लगातार विस्तार कर रहा है, लेकिन रेल यात्रियों की संख्या में ?भारी गिरावट से परेशानी भी हो रही है। इन दिनों देश में एक के बाद एक वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत हो रही है। अब तक देश को 14 वंदे भारत ट्रेनों का तोहफा मिल चुका है। इस लिस्ट में कई और वंदे भारत ट्रेनों का नाम जुड़ने वाला है। एक तरफ रेलवे विस्तार कर रहा है तो दूसरी ओर रेल यात्रियों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। रेलवे में यात्रियों की संख्या अब तक प्री कोविड स्तर पर नहीं पहुंच सकी हैं। मौजूदा वित्त वर्ष में रेल यात्रियों की संख्या में लगातार गिरावट चिंता का विषय है। चालू वित्त वर्ष में फरवरी तक 11 महीनों में ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में आई गिरावट हैरान करने वाली है। वित्त वर्ष 2019-20 के मुताबिक इस वित्त वर्ष में रेल यात्रियों की संख्या में 1815 करोड़ की कमी आई है।

पिछले पांच वर्षों के आंकड़ों को देखें तो साल 2019-20 में रेलवे से 7674 करोड़ लोगों ने सफर किया था। जबकि साल 2018-19 में 7725 करोड़ यात्रियों ने रेल यात्री की थी। लेकिन कोराना महामारी और लॉकडाउन के बाद रेल यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। साल 2020-21 में मात्र 985 करोड़ लोगों ने रेल से सफर किया था । ये संख्या साल 2021-22 में बढ़कर 3063 अरब पर पहुंच गई। जबकि साल 2022-23 में ये नंबर 5858 करोड़ पर पहुंच गए।

बस्तर में प्रियंका गांधी ने भूपेश बघेल सरकार की तारीफ की, भाजपा पर जमकर साधा निशाना

रायपुर (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। बस्तर में प्रियंका गांधी ने आदिवासी समुदायों के लिए राज्य सरकार की योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जबरजस्त तरीके से निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने अपने संबोधन की शुरूआत में कहा कि आज पूरे छत्तीसगढ़ में जो नारा गूंज रहा है, वह खोखला नारा नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में सबसे कम बेरोजगारी दर है। यहां अधिकतम वन अधिकार प्रदान किए गए हैं। गांधी ने कहा कि 60 से ज्यादा उत्पादों पर आपको सबसे ज्यादा एमएसपी दी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य मॉडल विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह एक ब्रांड बन गया है - चाहे वह पर्यटन में हो या हस्तकला में या स्कूलों में या वनोपज के लिए एमएसपी में या फिल्म शूटिंग में। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बस्तर प्रसिद्ध हो गया है। इसका मतलब है कि आपकी सरकार आपकी ताकत के लिए काम कर रही है और आपके भरोसे को नहीं तोड़ रही है। उन्होंने लोगों से कहा कि इससे पहले 15 साल आपने बीजेपी का शासन देखा। आपने उन पर भरोसा किया। लेकिन वे लोग आपके भरोसे पर खरा नहीं उतरे। प्रियंका ने कहा कि यहां भय, भूख और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार था। आपकी जमीन छीन ली गई। आपको हथकड़ी लगाई गई थी। घोटाले के बाद घोटाला हुआ। अपना हमला जारी रखते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि आपको 'निर्भर' बनाया गया था, 'आत्मनिर्भर' नहीं। आपको ऐसी योजनाएं नहीं दी गईं जो आपको आत्मनिर्भर बनातीं। उन्होंने कहा कि आपको सरकार के भरोसे बनाया गया। भाजपा सरकार ने आपके आत्मविश्वास को चकनाचूर कर दिया। आपकी अनदेखी की गई। इन 5 सालों में कांग्रेस ने आपका गौरव बहाल किया है। उन्होंने कहा कि जबसे यहां हमारी सरकार आई है, तबसे राज्य में खूब तरक्की हुई है। मुझे खुशी है कि प्रदेश की तरक्की में हमारी बहनों को भी हिस्सा मिला है। मैं आप सबको बधाई देती हूं क्योंकि आपको 129 करोड़ की सौगात मिलने जा रही है। वहीं, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 साल बीजेपी सरकार रही। तब बस्तर से बाहर के लोग बस्तर आने और छत्तीसगढ़ से बाहर के लोग छत्तीसगढ़ आने से डरते थे, क्योंकि नक्सलियों का खौफ था। बीजेपी सरकार में निर्दोष आदिवासियों को नक्सली बताकर जेल भेजा गया।

ललित मोदी को सुप्रीम कोर्ट से फटकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने आज आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी को फटकार लगाई है। शीर्ष न्यायालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में न्यायपालिका के खिलाफ ललित मोदी की टिप्पणी को लेकर नाराजगी जताई। कोर्ट ने उन्हें बिना शर्त माफी मांगने का निर्देश भी दिया है। जस्टिस एमआर शाह और सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि ललित मोदी कानून और संस्था से ऊपर नहीं हैं। पीठ ने कहा कि वे ललित द्वारा दायर जवाबी हलफनामे से भी संतुष्ट नहीं है। शीर्ष अदालत ने इसके बाद पूर्व-आईपीएल आयुक्त को सोशल मीडिया और प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में भी माफी मांगने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने ललित को माफी मांगने से पहले एक हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया और कहा कि भविष्य मेंऐसी कोई पोस्ट नहीं की जाएगी जो भारतीय न्यायपालिका की छवि को धूमिल करने वाली हो।

'रोजगार मेले' पर खरगे का कटाक्ष कहा- बहुत कम दिया और बहुत देर से दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'रोजगार मेले' को लेकर सरकार पर कटाक्ष करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि बहुत कम रोजगार दिया गया है और बहुत देर से दिया गया है। खरगे ने ट्वीट किया, ''मोदी जी फिर से रोज़गार के नाम पर 'भर्ती पत्र' बांट रहे हैं। कार्यक्रम में 50,000 पत्र रेल मंत्रालय के ही हैं। रेलवे में 3,01,750 पद ख़ाली हैं। सरकारी मंत्रालयों में 30 लाख पद ख़ाली हैं।'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''मोदी सरकार के 10वें वर्ष में किये गये इस स्टंट पर 'बहुत कम दिया, बहुत देर से दिया' सटीक बैठता है।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'नया भारत' नयी नीतियों और रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रहा है और उनकी सरकार अतीत के 'प्रतिक्रियाशील दृष्टिकोण' को छोड़कर प्रौद्योगिकी व बुनियादी ढांचे के मामलों में सक्रियता से काम कर रही है। मोदी ने 'रोजगार मेले' को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों के लिए मुद्रा ऋण परियोजना से आठ करोड़ से अधिक नए उद्यमी पैदा हुए हैं और सरकार की नीतियों एवं रणनीतियों ने नयी संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

एक साथ लड़ेंगे भाजपा और शिवसेना, देवेंद्र फडणवीस बोले- एकनाथ शिंदे ही होंगे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार

-कट्टर हिंदू समर्थक सुवर्णा को टिकट थमाया

मुंबई। (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडवीस ने बुधवार को राकांपा और भाजपा के हाथ मिलाने की चर्चा पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि शिवसेना के साथ गठबंधन में किसी तीसरे पक्ष के लिए कोई जगह नहीं है। फडणवीस ने कहा कि मुंबई तक के एक कार्यक्रम में जब पूछा गया कि क्या एनसीपी और बीजेपी एक साथ आ सकते हैं, तो महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने कहा कि फिलहाल किसी तीसरे पक्ष के लिए कोई जगह नहीं है। भाजपा और शिवसेना एक साथ लड़ेंगे। एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।

उनसे यह भी पूछा गया कि क्या वह एनसीपी और कांग्रेस के किसी नेता के संपर्क में थे, तो उन्होंने जवाब दिया, 'जब हम सरकार में काम करते हैं तो लोग हमसे जुड़ जाते हैं। हम यह नहीं कह सकते कि उनमें से कितने आए और कितने चले गए, लेकिन कुछ लोग संपर्क में हैं। फडणवीस ने कहा कि चुनाव के दौरान ही पता चल जाता था कि कौन किसके साथ है। फडणवीस ने यह भी कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री के रूप में लौटने का कोई सवाल ही नहीं है।

इस दौरान उन्होंने इस मौके पर बोलते हुए राजनीतिक नेताओं द्वारा दिए गए बेतुके बयानों पर भी टिप्पणी की। ÷यह सब रोकने के लिए एक अच्छा उपाय है। लेकिन मीडिया को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हर सुबह मीडिया के साथ संजय राउत के पास जाना बंद करें। इसलिए यह समस्या उत्पन्न होती है। अगर आप उनके पास जाना बंद कर देंगे तो आप देखेंगे कि राज्य की राजनीति साफ हो गई है।

जनता दल सेक्युलर को मिल सकता है भाजपा- कांग्रेस के आंतरिक असंतोष का फायदा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा व कांग्रेस के बीच व्याप्त असंतोष को देखते हुए जनता दल सेक्युलर खुश हो रहा है। दल को लग रहा है कि दोनों पार्टियों के आंतरिक असंतोष का फायदा उसे मिल सकता है। विधानसभा त्रिशंकु बनी तो पहले की तरह मुख्यमंत्री पद उसके पास भी आ सकता है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए आज से नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। सत्ता की दावेदारी जहां भाजपा पूरे दमखम से कर रही है तो वहीं कांग्रेस इस बात को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है कि सत्ता में आने की बारी उसकी है। हालांकि दोनों दलों में टिकटों को लेकर जो असंतोष दिख रहा है उससे जनता दल सेक्युलर के चेहरे पर खुशी नजर आ रही है। जहां तक भाजपा में मचे असंतोष की बात है तो पार्टी के कई वरिष्ठ नेता रूठ गये हैं, कुछ ने पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया है तो कोई खुल कर मीडिया के सामने रोते हुए अपनी पीड़ा बयां कर रहा है तो कोई दूसरी पार्टी में जाने की तैयारी कर रहा है तो कोई निर्दलीय मैदान में उतरने की तैयारी कर रहा है। यदि भाजपा ने उम्मीदवारी हासिल नहीं कर पाने वाले लोगों को जल्द नहीं मनाया और असंतोष पर काबू नहीं किया तो सत्ता में लौटने की उसकी उम्मीदों पर पानी फिर सकता है।

गौरतलब है कि भाजपा ने पहली सूची में 189 उम्मीदवारों और दूसरी सूची में 23 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी। पार्टी को अब भी 12 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा करनी है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल है। वहीं, दस्तावेजों की पड़ताल 21 अप्रैल को की जाएगी, जबकि नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 24 अप्रैल है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 10 मई को एक ही चरण में मतदान होगा। मतगणना 13 मई को की जाएगी। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी ने पार्टी से इस्तीफा देने का फैसला कर लिया है।

जी-20 बैठक की तैयारियां अंतिम चरण में, निखर गए काशी के गंगा घाट

वाराणसी (एजेंसी)। जी-20 बैठक को लेकर काशी में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक नगरी वाराणसी में 17 से 19 अप्रैल तक होने वाली जी-20 समिट की बैठक के लिये काशी के चौराहों और सड़कों को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। छह से अधिक प्रदेशों के 50 से अधिक क़िस्म के फूलों से वाराणसी को सजाने का काम चल रहा है। काशी दुनिया के 20 दिग्गज देशों से आने वाले अतिथियों के स्वागत को तैयार हो रही है। खास फूलों से चौराहे, मेहमानों के आने-जाने के रास्तों को सजाने के साथ ही लैंड स्कैपिंग के माध्यम से आकर्षक बनाया जा रहा है।

बता दें कि काशी के गंगा घाटों पर लगी पुरानी छतरी हटाकर इसकी जगह जी-20 देशों की लोगोयुक्त आकर्षक छतरी लगाई जा रही है। इसकी जिम्मेदारी नगर निगम को दी गई है। निगम की ओर से सभी घाटों का सर्वे कराया गया है। यहां पर पुरानी बांस की लगी छतरियों को हटाकर नई छतरी लगाई जाएगी। ताकि बाहर से आने वाले मेहमानों के सामने बेहतर छवि जाए। काशी के सभी 84 घाटों पर फसाड लाइटिंग का काम लगभग पूरा हो गया है। बिजली के खंभों को दुरुस्त कराया जा रहा है। पुराने खंभों पर पेंटिंग कराई जा रही है। घाट जाने वाले मार्ग को दुरुस्त कराया जा रहा है। यहां पर होटल ताज गैंजेस में होनी वाली इस बैठक का थीम एक धरती, एक परिवार-एक भविष्य रखा गया है। इस मीटिंग में जी-20 सदस्य देशों के वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ आमंत्रित देश के विशेषज्ञ कृषि, अनुसंधान एवं विकास प्राथमिकताओं पर भी चर्चा करेंगे। सम्मेलन में आने वाले विदेशी मेहमान विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती भी देखेंगे।

जी-20 की तीन दिनी बैठक का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम

वाराणसी में होने वाली जी-20 बैठक में पहले दिन 17 अप्रैल को 9 बजे- उद्घाटन समारोह, 9.30 बजे से एक बजे तक- खाद्य सुरक्षा और पोषण में विज्ञान की भूमिका पर मंथन, दोपहर दो बजे से 5.30 बजे तक- वर्तमान परिदृश्य में खाद्य प्रणाली सहित अन्य विषयों पर चर्चा होगी। शाम 5.30 बजे- क्रूज से गंगा आरती और लौटने के बाद होटल में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। अगले दिन 18 अप्रैल को सुबह 9 बजे से 12.40 बजे तक- डिजिटल कृषि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप की संभावना पर मंथन, दोपहर 2 बजे से- अंतरराष्ट्रीय कृषि पर हुए शोध पर दूसरा सतकि जबकि शाम 5 बजे से- सारनाथ भ्रमण और लाइट एंड साउंड शो आनंद लेंगे। इसी तरह अंतिम दिन 19 अप्रैल की सुबह 9 से 1 बजे तक- विभिन्न विषयों पर सेमिनार और चर्चा, दोपहर 2 बजे- दीनदयाल हस्तकला संकुल का भ्रमण तथा शाम 7 बजे- विदाई समारोह रखा गया है।

भाजपा अपनी विफलता छिपाने राम मंदिर व धर्म का ले रही सहारा

-एक रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी के महास ?चिव अभिषेक बनर्जी ने लगाए आरोप

बांकुड़ा (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर पिछले नौ वर्षों में सुशासन प्रदान करने में अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए अयोध्या में राम मंदिर जैसी धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र मनरेगा कोष को अटका रहा है ताकि राज्य सरकार को धन की कमी का सामना करना पड़े। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा अपनी नाकामी छिपाने के लिए धर्म की राजनीति करना चाहती है। क्या धर्म को लेकर की जा रही राजनीति गरीब लोगों की भूख मिटाने में मदद करेगी, जो आवश्यक वस्तुओं और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से जूझ रहे हैं? जवाब है, नहीं। उन्होंने कहा कि धर्म और राम मंदिर पर राजनीति करना केंद्र में अपनी सरकार की विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए भाजपा की एक चाल है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव और अगला लोकसभा चुनाव राज्य के लोगों के अधिकारों के मुद्दे पर होगा। भाजपा उनका हक छीनने की कोशिश कर रही है। उसने राज्य के लिए मनरेगा कोष जारी करना बंद कर दिया है। जानकारों का कहना है कि अभिषेक बनर्जी की टिप्पणी रामनवमी की शोभायात्राओं के दौरान हुगली और हावड़ा जिलों में हुई हिंसा की पृष्ठभूमि में आई है। तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर राज्य में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया है। बनर्जी ने कहा कि पार्टी मनरेगा के तहत रोजगार नहीं पाने वाले दिहाड़ी मजदूरों के एक करोड़ हस्ताक्षर वाले पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजेगी।

बनर्जी ने यहां के लोगों से तृणमूल कांग्रेस को वोट देने का आग्रह करते हुए कहा ?कि कोविड महामारी के दौरान जब पार्टी के कार्यकर्ता बांकुड़ा में सड़कों पर थे, तब जिले के भाजपा सांसद या विधायक नहीं दिखे। हमने अंतर नहीं किया जबकि हम चुनाव हार गए थे। लेकिन अगर इस बार भी बांकुड़ा की जनता मुंह फेर लेती है तो तृणमूल कांग्रेस उनके हक की लड़ाई नहीं लड़ेगी। बनर्जी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने इसे तृणमूल कांग्रेस नेता का अहंकार बताया है।

सुशील मोदी का सीएम नीतीश पर तंज, बोले- वह एक ऐसी नाव पर सवार हो रहे हैं जिसमें छेद ही छेद है

लखनऊ (एजेंसी)। एक ओर जहां नीतीश कुमार विपक्षी एकता को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा उनपर जबरदस्त तरीके से उनपर हमलावर है। कभी नीतीश कुमार के बहद करीबी रहे सुशील कुमार मोदी ने उनपर निशाना साधा है। सुशील मोदी ने साफ तौर पर कहा कि नीतीश कुमार एक ऐसी नाव पर सवार हो रहे हैं जिसमें छेद ही छेद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक डूबता जहाज है। राजस्थान में सचिन पायलट अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो नीतीश कुमार बिहार नहीं संभाल पा रहे, उपचुनाव नहीं जीत पा रहे, वे देश का नेतृत्व करेंगे, विपक्षी दलों को एक करेंगे, कौन उन्हें स्वीकार करेगा?

इससे पहले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सभी के मन में प्रधानमंत्री बनने की इच्छा है। नीतीश कुमार उसमें प्रबल हैं। इसलिए ये जा रहे हैं मिलने के लिए, राहुल गांधी से बड़ी मुश्किल से अपॉइंटमेंट मिला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ये जान लें कि 2024 का पद खाली नहीं है और इनकी राजनीतिक दुर्गति होना अभी बाकी है। माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार विपक्षी एकता के सूत्रधार साबित होंगे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्षी एकता को लेकर जबरदस्त तरीके से तंज कसा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर जब कुछ दल फंसते हैं तो इकट्ठा होने की कोशिश करते हैं।

अपने बयान में अनुराग ठाकुर ने कहा कि भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे कुछ दल जब एकत्रित होते हैं तो महाठगबंधन बनता है। उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 में भी यही ठगबंधन बना था लेकिन कुछ नहीं हो पाया क्योंकि जनता जानती है कि विपक्षी दल भ्रष्टाचार में डूबे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इनका मुकाबला नरेंद्र मोदी से है, जिनकी 22 साल की सीएम से पीएम तक की राजनीति ईमानदार और साफ रही है।

कोरोना के एक दिन में ही दस हजार से अधिक मामलों ने बढ़ाई टेंशन

-सावधानी बरतने के साथ मास्क व सोशल डिस्टेंस रखने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रतिदिन कोरोना के सात हजार से अधिक मामले आने से टेंशन बढ़ने लगी है। देश में एक बार फिर से कोरोना वायरस के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। भले ही पिछले कुछ दिनों से रोजाना 7 हजार से अधिक मामले आ रहे थे, लेकिन गुरुवार को 10 हजार से अधिक मामले सामने आने के साथ ही कोरोना ने टेंशन बढ़ा दी है। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 10,158 नए मामले सामने आए हैं और सक्रिय मामले 44,998 हैं। ऐसे में मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना बेहद जरूरी हो गया है। देश में 224 दिन बाद गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के सर्वाधिक 10,158 दैनिक मामले सामने आए। इससे पहले बुधवार को देश में कोरोना वायरस के 7, 830 नए मामले सामने आए थे। देश में ऐक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 44,998 पर पहुंच गई है। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना बेहद जरूरी हो गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि कोरोना का बूस्टर डोज भी कोरोना वायरस के नए वेरिएंट से निपटने में सक्षम है, ऐसे में बूस्टर डोज लगवाना भी बेहद जरूरी है।

कुछ राज्यों में कोरोना से मरीजों की मौत भी हो रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में दो-दो और गुजरात, हरियाणा, तमिलनाडु व उत्तर प्रदेश में एक-एक मरीज की मौत के बाद देश में संक्रमण से जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 5,31,016 हो गई। कोरोना वायरस से पीड़ित मरीजों की संख्या भी अब अस्पतालों में बढ़ने लगी है। देश में अभी 44,998 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 10 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.72 प्रतिशत है। अभी तक कुल 4,42,04,771 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.66 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं।

दिल्ली में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,149 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर 23.8 फीसदी रही। सात महीने से अधिक समय बाद एक दिन में संक्रमण के मामलों की संख्या 1,000 के पार दर्ज की गई है। यूपी की राजधानी लखनऊ में बीते कुछ दिन से कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

यूक्रेन युद्ध के बारे में 'फर्जी सूचना' पर रूस ने विकिपीडिया के मालिक पर लगाया जुर्माना

मॉस्को की एक अदालत ने गुरुवार को विकिमीडिया फाउंडेशन, ऑनलाइन एनसाइक्लोपीडिया विकिपीडिया के मालिक, को 2 मिलियन रूबल (24,525) का जुर्माना लगाया। इंटरफैक्स ने बताया कि अदालत ने यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान के बारे में फर्जी जानकारी देने को लेकर ये कार्रवाई हुई है। विकिमीडिया फ़ाउंडेशन पर कई तरह के जुर्माने लगाए गए हैं क्योंकि मास्को सूचना के स्वतंत्र स्रोतों पर नकेल कसने के लिए अभियान चला रहा है। विकिमीडिया ने पहले कहा था कि जानकारी जिसके बारे में रूसी अधिकारियों ने शिकायत की है वह अच्छी तरह से स्रोत और विकिपीडिया मानकों के अनुरूप थी। इससे पहले फरवरी के महीने में पाकिस्तान ने वीकिपीडिया वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया था। वीकिपीडिया के द्वारा आपत्तिजनक या ईशनिंदा से संबंधित साम्रगी को हटाने से इनकार करने के बाद वेबसाइट को ब्लॉक किया गया था। पाकिस्तान टेलीकॉम अथॉरिटी ने वीकिपीडिया को चेतावनी दी थी कि अगर वेबसाइट पर उपलब्ध ईशनिंदा से संबंधित साम्रगी नहीं हटाई जाती तो उसे ब्लॉक कर दिया जाएगा। पाकिस्तानी सरकार के मुताबिक, विकिपीडिया में कई आपत्तिजनक सामग्री हैं। इस तरह के आरोप लगाकर पाकिस्तान सरकार ने 'विकिपीडिया' को ब्लॉक कर दिया।

खाई में गिरी कार, नेपाल में चार भारतीयों की मौत

काठमांडू। नेपाल के बागमती प्रांत के एक सुदूर क्षेत्र में एक कार के खाई में गिर जाने से चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना मंगलवार देर रात हुई जब कार के चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया जिससे कार सिंधुली जिले के कमला माई नगर पालिका में बनेपा बर्दिबास राजमार्ग से करीब 500 मीटर नीचे खाई में गिर गई। जिले के पुलिस अधीक्षक राज कुमार सिलवाल के हवाले से जानकारी मिली है कि चारों मृतक पुरुष हैं। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सिलवाल ने कहा कि सिंधुली अस्पताल ले जाए गए एक अन्य घायल यात्री की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को आगे के इलाज के लिए धुलीखेल अस्पताल ले जाया गया। दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र होने के कारण दुर्घटनास्थल से मृतकों के शव नहीं निकाले जा सके हैं। इस बीच, बिहार के समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना प्रभारी गौतम कुमार ने कहा कि मृतकों में से एक मृत्युंजय कुमार सिंह फुलहरा गांव के निवासी थे। हम आगे की जानकारी के लिए उनके परिवार के सदस्यों और सक्षम प्राधिकारी के संपर्क में हैं। कई बार प्रयास के बावजूद, समस्तीपुर और पटना पुलिस मरने वाले या घायल हुए अन्य भारतीयों की पहचान की पुष्टि नहीं कर पाई है।

जापान में जनसंख्या की कमी, बच्चे पैदा करने के लिए 8 लाख रुपए दे रही सरकार

सियोल। जापान इन दिनों जनसंख्या की कमी से जूझ रहा है। यहां की सरकार बच्चे पैदा करने वालों को 8 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दे रही है। जबकि दक्षिण एशिया में भारत और पाकिस्तान ऐसे देश हैं, जिनकी आबादी लगातार बढ़ रही है। यह देश अपनी बढ़ती आबादी से परेशान हैं। लेकिन दुनिया के कई देश ऐसे हैं, जिनकी जनसंख्या लगातार गिरती जा रही है। जापान की आबादी की बात करें तो वह 2022 में 556,000 से कम होकर 12.4 करोड़ रह गई। बुधवार को जारी डेटा के मुताबिक रिकॉर्ड संख्या में गिरावट देखी गई है। 1950 के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट है। दक्षिण कोरिया में भी अमूमन यही स्थिति हो गई है। यहां बच्चे पैदा करने पर सरकार 8 लाख रुपये की प्रोत्साहन रा?शि दे रही है। जापान की अबादी लगातार 12वें वर्ष भी गिरी है। वहीं दक्षिण कोरिया सबसे कम जन्मदर वाला देश है। दक्षिण कोरियाई सरकार बच्चे पैदा करने पर मां को साल 2022 से 1.2 लाख रुपए दे रही है। फ्रांस में दिए जाने वाले पैसे से भी ये ज्यादा है। दक्षिण कोरिया में सरकार बच्चों के पालन पोषण के लिए हर महीने रुपए दे रही है। एक वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए हर सप्ताह 528 डॉलर (43,337 रुपए) हर महीने दिए जाते हैं। इसके बाद 2 साल की उम्र तक शिशु के लिए 264 डॉलर (21,600 रुपए) हर महीने दिए जाते हैं। सरकार की कई स्कीमों के तहत माता पिता खिलौने किराए पर भी ले सकते हैं। अन्य लाभों की बात करें तो गर्भवती महिलाओं के लिए चिकित्सा, बांझपन का उपचार और बेबीसिटिंग की व्यवस्था भी सरकार दे रही है। दक्षिण कोरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर बुसान में अलग से बोनस दिया जाता है। तीन या तीन से ज्यादा बच्चे पैदा करने पर स्थानीय सरकार अभी 377 डॉलर (30,943 रुपए) दे रही थी। अब इसे बढ़ा कर 7552 डॉलर (619,852 रुपए) कर दिया गया है। दक्षिण कोरिया के जिओला प्रांत में सात साल तक बच्चे के लिए हर महीने 435 डॉलर (37,181 रुपए) की स्कॉलरशिप दी जाती है। सात साल की उम्र तक प्रांत की सरकार 38,000 डॉलर लगभग 31 लाख रुपए खर्च करेगी।

नॉर्वे ने रूस के 15 राजनयिकों को निकाला, कहा-राजनयिक पदों की आड़ में कर रहे थे जासूसी

कीव। नॉर्वे के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसने 15 रूसी दूतावास के अधिकारियों को निष्कासित करने का फैसला किया था। नॉर्वे की तरफ से कहा गया कि वे राजनयिक पदों की आड़ में काम करने वाले खुफिया अधिकारी थे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार का फैसला यूरोप में बदली हुई सुरक्षा स्थिति के जवाब में है, जिसके कारण रूस से खुफिया खतरा बढ़ गया है। संबंधित अधिकारियों को जल्द ही नॉर्वे छोड़ देना चाहिए। रॉयटर्स द्वारा संपर्क किए जाने पर ओस्लो में रूसी दूतावास तुरंत टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था। नॉर्वे के विदेश मंत्री एनीकेन ह्यूटफेल्ट ने कहा कि नाटो सैन्य गठबंधन का सदस्य नॉर्वे आर्कटिक में रूस के साथ सीमा साझा करता है। यह नॉर्वे में रूसी खुफिया गतिविधि का मुकाबला करने और उसके स्तर को कम करने और इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। हाल ही में फिनलैंड को नाटों में एंट्री मिली है। इसके साथ ही रूस से लगती नाटो देशों की सीमा 2500 किलोमीटर लंबी हो गई है। यही नहीं एक और पड़ोसी देश स्वीडन भी नाटो में शामिल होना चाहता है। बता दें कि नाटो देशों को लेकर रूस अपनी चिंता जताता रहा है। उसका कहना है कि पड़ोसी देशों को नाटो में लेकर अमेरिका उसकी सुरक्षा को खतरा पैदा कर रहा है। दरअसल नाटो के नियमों के मुताबिक किसी भी सदस्य देश पर हमले की स्थिति में सभी मिलकर जवाब देते हैं।

टीटीपी के आतंकियों को अफगानिस्तान में घुसकर मारेंगे : ख्वाजा आसिफ

- तालिबान सरकार ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का जो वादा किया, वह उस पर खरा नहीं उतरा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान में सत्ताधारी तालिबान को चेतावनी दी है। आसिफ ने कहा है कि अगर काबुल में बैठी सरकार पाकिस्तान-विरोधी गतिविधियों को रोकने में नाकाम रही तो फिर अफगानिस्तान के अंदर घुसकर आतंकियों के अड्डे को निशाना बनाने से नहीं चूकेंगे। आसिफ ने यह बात एक साक्षात्कार में कही। आसिफ ने इसके साथ ही फरवरी में हुए अपने एक दौरे का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि वह जब अफगानिस्तान की यात्रा पर गए थे तो उन्होंने तालिबान के नेताओं को याद दिलाया था कि वो बॉर्डर पर सुरक्षा को लेकर किए गए वादों को पूरा करें। आसिफ ने कहा कि तालिबान के नेताओं ने पाकिस्तान से वादा किया था कि तहरीक-ए-तालिबान के आतंकी उनकी धरती का प्रयोग नहीं करेंगे। साथ ही ये आतंकी अफगानिस्तान में बैठकर पाकिस्तान पर किसी भी आतंकी हमले की साजिश को अंजाम देने में सफल नहीं होंगे। आसिफ ने कहा कि तालिबान सरकार ने आतंकियों के खिलाफ एक्शन लेने का जो वादा किया था, वह उस पर खरा नहीं उतरा है। आसिफ ने कहा कि तालिबान ने अपना वादा पूरा नहीं किया है और अगर वह ऐसा करने में नाकाम रहते हैं तो फिर हमें कुछ करना होगा। आसिफ का कहना था कि इस बात में कोई शक नहीं है कि उनकी सरजमीं पर आतंकी हैं और उन्हें खत्म करना पाकिस्तान के लिए बहुत जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि हमें इन आतंकियों को मारना ही होगा क्योंकि हम इस स्थिति को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकते। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान ने कब्जा कर लिया था। पाकिस्तान का मानना है कि इसके बाद से ही टीटीपी की तरफ से आतंकी हमलों में इजाफा हुआ है। इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अनुसार, साल 2022 में देश में कम से कम 262 आतंकी हमले हुए हैं और इनमें कम से कम 89 के लिए टीटीपी जिम्मेदार था। पाकिस्तान का मानना है कि अफगानिस्तान में जब से शासन बदला है तब से ही रोजाना घातक हमले पाकिस्तान में हो रहे हैं जिनमें सेना और पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया जा रहा है।

सियोल में एक रेलवे स्टेशन पर बैठे लोग उत्तरी कोरिया की दागी हुई बैलास्टिक मिसाइल को देखते हुए।

उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल, जापान ने उठाए सुरक्षात्मक कदम

सियोल। उत्तर कोरिया ने अपने हथियारों का परीक्षण जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जो कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच गिरी। इस घटना के मद्देनजर जापान को अपने एक द्वीप के निवासियों को एहतियातन सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहना पड़ा। हालांकि, बाद में इस आदेश को वापस ले लिया गया। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास से दागी गई मिसाइल कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच गिरी। एक बयान में इस मिसाइल को मध्यम एवं लंबी दूरी का हथियार बताया गया है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मिसाइल ने कितनी दूरी तय की। जापान के रक्षा मंत्री यासुकाजु हमादा ने संवाददाताओं से कहा कि उत्तर कोरिया ने संभवत: एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया। उन्होंने कहा कि मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में नहीं पहुंची। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने संवाददाताओं से कहा कि वह इस प्रक्षेपण पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक बैठक बुलाने की योजना बना रहे हैं। यहां गौरतलब है कि उत्तर कोरिया, कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच जल क्षेत्र में मिसाइल का अक्सर परीक्षण करता रहता है। उत्तर कोरिया के प्रक्षेपणों के बाद दक्षिण कोरिया और जापान अपने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश आमतौर पर तब तक जारी नहीं करते, जब तक उन्हें यह न लगे कि ये हथियार उनके क्षेत्रों की ओर आ रहे हैं।

कंगाल पाकिस्तान को आईएमएफ से कर्ज मिलने की उम्मीदें बढ़ीं

- आईएमएफ के बोर्ड की तरफ से मंजूरी के बाद इस समझौते के जल?द हो सकते हैं हस्ताक्षर

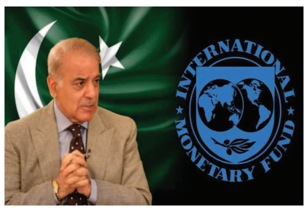

तेहरान (एजेंसी)। कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार की तरफ से आया नया बयान इस देश की जनता को कुछ उम्मीदें दे सकता है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की एक बैठक में शिरकत करने के बाद डार ने भरोसा जताया है कि जल्द ही आईएमएफ के साथ स्टाफ लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) की दिशा में कुछ सकारात्मक होगा। डार ने कहा कि आईएमएफ के बोर्ड की तरफ से मंजूरी होने के बाद इस समझौते के जल्द साइन होने की उम्मीदें हैं। डार का दावा है कि बैठक के बाद आईएमएफ में मध्य पूर्व और मध्य एशिया विभाग के डायरेक्टर जिहाद अजूर ने भी उम्मीद जताई कि पाकिस्तान विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों पर अपनी प्रगति जारी रखेगा। आसमान छूती महंगाई और कम विदेशी मुद्रा भंडार से जूझ रहे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए आईएमएफ कार्यक्रम की बहाली बहुत जरूरी हो गई है। पिछले साल नवंबर से नौवीं समीक्षा में यह कार्यक्रम ठप पड़ा है। इस साल फरवरी में भी दोनों पक्षों के बीच वार्ता हुई थी लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी कोई फैसला नहीं हो सका है। जहां यूक्रेन, श्रीलंका और अर्जेंटीना को आईएमएफ की मदद मिल चुकी है तो पाकिस्तान बस मुंह ताकने पर मजबूर है। हाल ही में वित्त मंत्री डार के साथ वित्त और राजस्व राज्य मंत्री डॉ आयशा गौस पाशा, प्रधानमंत्री के विशेष सलाहकार तारिक बाजवा और राजस्व मंत्रालय के सलाहकार तारिक महमूद पाशा भी बैठक में मौजूद थे।

अमेरिका में मौजूद पाकिस्तान के राजदूत मसूद अहमद खान के अलावा स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद को मीटिंग में बुलाया गया था। वित्त मंत्रालय की तरफ से बयान में कहा गया है कि जिहाद अजूर ने उम्मीद जताई है आईएमएफ बोर्ड की मंजूरी के बाद जल्द ही एसएलए पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि पाकिस्तान विभिन्न क्षेत्रों में आईएमएफ के कार्यक्रम को समय पर पूरा करेगा। साथ ही आईएमएफ भी पाकिस्तान में आर्थिक स्थिरता लाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएगा। डार ने नौवीं समीक्षा के बाद पाकिस्तान को दिए गए समर्थन के लिए अजूर और उनकी टीम को धन्यवाद दिया। बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने आईएमएफ कार्यक्रम के साथ हुई प्रगति पर चर्चा की। इसमें खासकर आईएमएफ मिशन की पाकिस्तान यात्रा के अलावा पहले के एक्शन पर आए नतीजों पर भी बात की गई है। डार ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें पाकिस्तान में रहने के लिए कहा। इसकी वजह से डार को अमेरिका यात्रा कैंसिल करनी पड़ गई।

अमेरिका ने रुस से निपटने तैनात किया सबसे खतरनाक अदृश्य शिकारी

वॉशिंगटन/मास्को (एजेंसी)। अमेरिका ने रुस से निपटने के लिए अपना सबसे खतरनाक हथियार तैनात कर दिया है। पिछले दिनों रूस के सुखोई-27 फाइटर जेट के काला सागर के ऊपर अमेरिका के अत्याधुनिक एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराने के बाद अब बाइडन भी ऐक्शन में आ गए हैं। अमेरिका ने अपने खतरनाक फाइटर जेट एफ-22 रैप्टर को पोलैंड में तैनात किया है। अमेरिका ने नाटो की रक्षात्मक ताकत और रूस से पैदा होने वाले किसी भी खतरे से निपटने के लिए एफ-22 रैप्टर विमानों की तैनाती की है। एफ-22 फाइटर जेट पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट हैं और रेडॉर की पकड़ में नहीं आते हैं। ये रैप्टर विमान अब नाटो के पूर्वी मोर्चे पर रूस के पास तैनात रहेंगे। पोलैंड के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री ने एक ट्वीट करके जानकारी दी कि अमेरिकी वायुसेना के एफ-22 रैप्टर विमान पोलैंड की वायुसेना की मदद के लिए पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि यह नाटो सहयोगियों की सामूहिक रक्षा क्षमता को पूर्वी मोर्चे पर बढ़ाएगा। पोलैंड के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के एफ-22 रैप्टर फाइटर जेट पोलैंड पहुंच गए हैं। ये दुनिया के सबसे आधुनिक फाइटर जेट हैं जो पोलैंड के पायलट के साथ मिलकर पूर्वी मोर्चे को सहयोग देंगे। अमेरिकी वायुसेना की यूरोप और अफ्रीका कमान ने जोर देकर कहा कि एफ-22 रैप्टर फाइटर जेट को पोलैंड भेजा गया है जो रोटेशनल मिशन का हिस्सा है। ये एफ-22 विमान अमेरिका के वर्जीनिया एयरबेस पर तैनात रहते हैं। ये अब एफ-15 फाइटर जेट की जगह लेंगे। अमेरिकी वायुसेना ने कहा कि पोलैंड का यह हवाई बेस सहयोगियों और पार्टनरों को जरूरी सुविधा मुहैया कराता है। ऐसा पहली बार नहीं है जब ये एफ-22 फाइटर जेट पोलैंड पहुंचा है। अगस्त 2022 में भी 12 एफ-22 रैप्टर विमान पोलैंड पहुंचे थे।

बांग्लादेश में ड्रैगन के प्लान को फेल करने भारत और जापान एक साथ

- पूर्वोत्तर से लेकर नेपाल तक बदलेगी तस्वीर

ढाका (एजेंसी) बांग्लादेश में चीनी ड्रैगन के खतरनाक प्लान को फेल करने के लिए भारत और जापान साथ आ गए हैं। दक्षिणी बांग्लादेश में जापान और भारत के नेतृत्व में क्वॉड देश विशाल बंदरगाह बना रहे हैं। यह मतारबारी बंदरगाह बांग्लादेश में भारत समेत क्वॉड देशों के लिए चीन के प्रभाव के खिलाफ रणनीतिक धुरी बन सकता है। यह मतारबारी बंदरगाह बांग्लादेश के सोनादिया से उत्तर की ओर बनाया जा रहा है। सोनादिया भी बांग्लादेश में प्रमुख रणनीतिक जगह है जहां पहले चीन भी एक बंदरगाह बनाना चाहता था। हालांकि चीन की यह मंशा पूरी नहीं हो सकी और बांग्लादेश सरकार ने ड्रैगन के इस विचार को खारिज कर दिया। यही नहीं जापान ने एक औद्योगिक हब बनाने का भी प्रस्ताव दिया है जिससे भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों से लेकर नेपाल और भूटान तक विकास की गंगा को बहाया जा सकेगा। चीन के बंदरगाह नहीं बना पाने को राजनीतिक विश्लेषकों ने दक्षिण एशिया में चल रहे ग्रेट गेम में भारत के लिए बड़ी रणनीतिक जीत करार दिया था। भारत जापान का करीबी दोस्त है और वह भी इस जीत में शामिल हो गया। मतारबारी बांग्लादेश का पहला गहरे समुद्र का बंदरगाह है और इसकी अहमियत जापानी प्रधानमंत्री की गत मार्च में हुई भारत यात्रा के दौरान देखी गई थी। यह बंदरगाह मुक्त और स्वतंत्र हिंद प्रशांत अजेंडे के लिए काफी अहमियत रखता है।

इसी दौरान जापान की एक एजेंसी ने बांग्लादेश को 1.2 अरब डॉलर का आधारभूत ढांचे के निर्माण का लोन दे दिया। इससे पहले जापान करोड़ों डॉलर के लोन का वादा कर चुका था। नई दिल्ली में जापानी प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका देश बंगाल की खाड़ी से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों तक औद्योगिक वैल्यू चेन को बढ़ावा देगा ताकि पूरे इलाके के विकास को बढ़ाया जा सके। इस बंदरगाह को बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में बनाया जा रहा है जहां कंटेनर टर्मिनल और बिजली का पॉवर प्लांट भी मौजूद होगा। इस बंदरगाह के आसपास के समुद्री इलाके को गहरा किया जाएगा ताकि विशाल जहाज और टैंकर भी आ सकें।

अमेरिका का साथी होने का मतलब जागीरदार होना नहीं: मैंक्रो

- फ्रांस को अमेरिका और चीन के बीच होने वाले टकराव से बचना चाहिए

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो ने ताइवान पर दिए गए अपने नए बयान का बचाव किया है। पिछले दिनों चीन दौरे के बाद मैंक्रो ने एक साक्षात्कार में कहा था कि फ्रांस को अमेरिका और चीन के बीच होने वाले टकराव से बचना चाहिए। उनके इस बयान को लेकर उनकी काफी आलोचना भी हो रही है। अटलांटिक के दोनों तरफ मौजूद राजनीतिक विशेषज्ञ और राजनेता उनके बयान की वजह से उन्हें आड़ें हाथों ले रहे हैं। लेकिन मैंक्रो अपनी बात पर कायम हैं और उनका कहना था कि जो कुछ भी उन्होंने कहा है, वह उस पर कायम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका का साथी होने का मतलब जागीरदार होना नहीं है। मैंक्रो ने नीदरलैंड्स दौरे पर कहा के सहयोगी देश होने का मतलब जागीरदार होना नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपने बारे में सोचना बंद कर दें। मैंक्रो दो दिनों के नीदरलैंड्स दौरे पर रवाना हुए हैं और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपनी बात दोहराई। मैंक्रो ने यह भी कहा कि ताइवान की यथास्थिति पर फ्रांस के समर्थन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। साथ ही उनका देश वन चाइना पॉलिसी का समर्थक है मगर चाहता है कि स्थिति का शांतिपूर्ण निवारण हो। मैंक्रो के इस बयान के बाद पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर चीन के साथ साठगांठ करने का आरोप लगाया है। लेकिन मैंक्रो का कहना है कि उन्हें इन टिप्पणियों का जवाब देने की जरूरत नहीं है।

मैंक्रो के बयान पर व्हाइट हाउस की तरफ से भी टिप्पणी आई है। व्हाइट हाउस ने फ्रेंच राष्ट्रपति की तरफ से दिए गए बयान को ज्यादा तवज्जो नहीं दी है। व्हाइट हाउस का कहना है कि बाइडेन प्रशासन, फ्रांस के साथ शानदार द्विपक्षीय संबंधों में सहज है और इन संबंधों पर उसे भरोसा है। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने भी मैंक्रो के बयान पर इसी तरह का रुख अपनाया है लेकिन साथ ही फ्रांस के राष्ट्रपति की टिप्पणी पर खास ध्यान दिया है। हालांकि, ताइवान के एक सीनियर अधिकारी मैंक्रो की टिप्पणी पर हैरान हैं। सोशल मीडिया पर ताइवानी संसद के स्पीकर के संसद अध्यक्ष यू सी-कुन ने फ्रांस के स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व के आदर्श वाक्य का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि क्या लिबर्टी, एगलिट, फ्रेटरनाइट फैशन से बाहर हैं? विशेषज्ञों का कहना है कि मैंक्रो की टिप्पणियों से पता चलता है कि ताइवान और चीन के बीच बढ़ती टेंशन के लिए अमेरिका दोषी है। साथ ही उनका बयान यूरोपियन यूनियन के लिए चीन के साथ एक कठोर रुख अपनाने में मुश्किलें पैदा करने वाला है। इस बीच चीन ने मैंक्रो की टिप्पणी की तारीफ की है। कहा है कि वह उनकी आलोचना से हैरान नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि कुछ देश हैं जो बाकी देशों को आजाद और आत्मनिर्भर नहीं देखना चाहते हैं। ऐसे देश बाकी देशों को उनकी इच्छा का पालन करने के लिए मजबूर करते रहते हैं।

जहरीली पफरफिश बेचने को लेकर कड़ा कानून बनाने की मांग

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलेशिया में जहरीली पफरफिश बेचने पर कड़ा कानून बनाने की मांग की जा रही है। यहां जहरीली पफरफिश खाने के बाद एक बुजुर्ग दंपति की मौत हो गई। इस घटना के बाद सरकार ने स्थानीय मछुआरों के बीच जागरूरता अभियान चलाया है। मृतक दंपति की बेटी ने मलेशियाई सरकार से कानून मजबूत बनाने की अपील की, ताकि दूसरे लोगों को पफरफिश खाने से रोका जा सके। मलेशिया के दक्षिणी राज्य जोहोर के अधिकारियों ने कहा कि एनजी चुआन सिंग और उनकी पत्नी लिम सिउ गुआान ने अनजाने में 25 मार्च को एक ऑनलाइन वेंडर से कम से कम दो पफरफिश खरीदी थी। अधिकारियों ने कहा कि उसी दिन लिम ने दोपहर के भोजन के लिए मछली को तला। इसके बाद से उन्हें सांस लेने में कठिनाई होने लगी और कांपने लगे। मृतक दंपति की बेटी एनजी ऐ ली ने बताया कि उनके माता-पिता एक ही तरह के लक्षण से पीड़ित थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल लेकर जाया गया, जहां उन्हें आईसीयू में एडमिट किया गया। उसी दिन शाम सात बजे लिम को मृत घोषित कर दिया गया, हालांकि उनके पति एनजी आठ दिनों तक कोमा में रहे। नौवें दिन उनकी हालत बिगड़ने लगी और शनिवार सुबह उनकी मृत्यु हो गई।

भारत आज अपनी सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है, जयशंकर बोले- मुंहतोड़ जवाब देना जानते हैं हम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि जो ताकतें दशकों से भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद में लिप्त हैं, वे अब जानती हैं कि यह एक 'अलग भारत' है, जो उन्हें जवाब देगा। 12 अप्रैल को भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जयशंकर ने देश के एक नए भारत में परिवर्तन के बारे में बात की। अपनी सीमाओं पर भारत के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि आज, लोग एक अलग भारत देखते हैं जो खड़े होने को तैयार है और भारत जो अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करेगा चाहे वह उरी हो या चाहे वह बालाकोट हो। वह 2016 में पाकिस्तान से जैश-ए-मोहम्मद के उग्रवादियों द्वारा भारतीय सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर किए गए उरी हमले और पाकिस्तान के बालाकोट में भारतीय युद्धक विमानों द्वारा आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर किए गए 2019 के बालाकोट हवाई हमले का जिक्र कर रहे थे।

आज जो ताकतें दशकों तक भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद में लिप्त रहीं और जिसे भारत ने सहन किया, उन्हें अब पता चल गया है कि यह अलग भारत है और यही भारत उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगा। उन्होंने चीन से लगी सीमा पर चुनौतियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल से समझौतों का उल्लंघन कर चीन बड़ी संख्या में बल लेकर आया है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय सेना काफी ऊंचाई पर और बेहद कठिन परिस्थितियों में तैनात है। यह स्थिति अतीत से अलग है क्योंकि भारतीय सैनिकों के पास अब 'पूर्ण समर्थन है, उनके पास सही उपकरण और बुनियादी ढांचा है।

उन्होंने स्वीकार किया कि चीन से लगी सीमा पर बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए और काम करना होगा क्योंकि अतीत में इसकी उपेक्षा की गई है। उन्होंने कहा, 'यह एक अलग भारत है जो अपने हितों के लिए खड़ा होगा और दुनिया इसे पहचानेगी। आज उन्होंने कहा कि भारत की नीतियां किसी बाहरी दबाव से प्रभावित नहीं होती हैं। यह एक अधिक स्वतंत्र भारत है। आज, भारत उन देशों के दबाव में नहीं आ सकता है जो हमें बताएंगे कि हमें अपना तेल कहां से खरीदना चाहिए और कहां से हमें अपना तेल नहीं खरीदना चाहिए।

संपादकीय

रहें सदा प्रसन्न मन

हमारा जीवन एक दूसरे पर आश्रित है एक का प्रभाव दूसरे पर निश्चित ही पड़ता है । विचारो में भिन्नता होना स्वाभाविक है क्योंकि सभी के कर्म संस्कार भिन्न भिन्न होते है।लेकिन मनकी भिन्नता में हमारी विवेक शक्ति काम करती है। विचारों के आदान-प्रदान में मतभेद तो हो सकता हैं । हर के भिन्न विचार होना भी ग़लत नहीं हैं परन्तु यह दोगला पन असली-नक़ली की परत तन-मन-वचन-जीवन की एकरूपता आदि को खंडित करता है। जिसके मन में गठबंधन ही मनभेद का सृजन करते है।

यही मनभेद नीचता व क्रूरता में भी बदल जाता है जिसके कारण विघटन की कारगुज़ारी होती है। हम मन की भिन्नता को मिटाकर सहज ,सरल बनकर ,विवेक का सदुपयोग करके शांतिपूर्वक जी सकते है।परस्पर सौहार्द हमारा सबके साथ हो ।

ऐसे में सच्चे को अपनाना व करना सदैव बुरे का प्रतिकार 7 विश्वास सदा ही होगा जहां रिश्तों का होगा आधार। मतभेद और भेदभाव को जहाँ न मिले कभी आहार। आपसी सामंजस्य ही रखना जहाँ पे हो यही संस्कार। गलती हम से हो जाये तो माफी मांगने में संकोच न करे और दूसरे से हो जाये तो सरल ह्रदय से सामने वाले को माफ कर दें और शुध्द मन रखते हुए प्रसन्नचित रहे। हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक रहे हमेशा तो हम माफी मांगने और माफ करने में कभी संकोच नहीं कर सकते। सरल ह्रदय से माफी मांगने और देने वाले हमेशा आत्मा को उज्वल बना सकते हैं । हमारा ह्रदय अगड़म-बगड़म कूड़ा-करकट भरने की टोकरी नहीं है । यह प्रसन्नता व मधुर स्मृतियाँ को सँजोने का स्वर्ण पात्र हैं । इसी उद्देश्य के लिए मात्र हम इसका सदुपयोग करे । ताकि सदा प्रसन्न मन रहकर सुस्वास्थ्य का जीवन धन पा सके ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।
वृषभ	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
मिथुन	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।
कर्क	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।
सिंह	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।
तुला	आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
वृश्चिक	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
धनु	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कुम्भ	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।
मीन	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

जाति प्रथा के विरोधी थे डा.आम्बेडकर

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

(14 अप्रैल जयन्ती पर विशेष)

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले भी बनें।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवत: पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था। स्त्री सरोकारों के प्रति डॉ भीमराव आम्बेडकर का समर्पण किसी जुनून से कम नहीं था।

डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है। आम्बेडकर के प्रसिद्ध मूलमंत्र की शुरुआत ही 'शिक्षित करो' से होती है। इस मूलमंत्र की पालना से आज कितनी ही महिलाएं शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही है।

बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था। जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हू कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हू कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

डा.आम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.आम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे। आम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। हर वर्ष 14 अप्रैल व 6 दिसम्बर को मुम्बई स्थित उनके स्मारक पर हर साल काफी लोग उन्हे अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आते हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

बाबासाहब अंबेडकर-सामाजिक क्रांति के प्रणेता

(लेखक - प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे)

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत डॉ.भीमराव अम्बेडकर मूलत: एक समाज सुधारक व समाजिक चिंतक थे। वे हिन्दु समाज द्वारा स्थापित सामाजिक व्यवस्था से काफी असंतुष्ट थे और उसमें सुधार की मांग करते थे, ताकि सर्वधर्मसम्भाव पर आधारित समाज की स्थापना की जा सके। डॉ.अम्बेडकर ने अस्पृश्यता के उन्मूलन और अस्पृश्यों की भौतिक प्रगति के लिए अथक प्रयास किए । वे 1924 से जीवन पर्यन्त अस्पृश्यों के हित में आंदोलन चलाते रहे। उनका दृढ विश्वास था कि अस्पृश्यता के उन्मूलन के बिना देश की प्रगति नहीं हो सकती। अम्बेडकर का मानना था कि अस्पृश्यता का उन्मूलन जाति-व्यवस्था की समाप्ति के साथ जुड़ा हुआ है और जाति व्यवस्था धार्मिक अवधारणा से संबद्ध है। हमेशा डॉ. अम्बेडकर की प्रथम वरीयता रही कि समाज की दुर्दशा सुधरे। उनका विश्वास था कि आर्थिक और राजनीतिक मामले सामाजिक न्याय के लक्ष्य की प्राप्ति के बाद निपटाये जाने चाहिए।डॉ.अम्बेडकर का चिंतन था कि आर्थिक विकास सभी सामजिक समस्याओं का समाधान कर देगा। जातिवादी हिंदुओं की मानसिक दासता की अभिव्यक्ति है। इस प्रकार जातिवाद की बुराई के निवारण के बिना कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं लाया जा सकता। हमारे समाज में क्रांतिकारी बदलाव के लिए समजिक सुधार पूर्व शर्त है कि सामाजिक सुधारों में परिवार व्यवस्था में सुधार और धार्मिक सुधार भी शामिल है ।परिवार सुधारों में बाल विवाह जैसे कुप्रथाओं की समाप्ति भी शामिल है ।डॉ अम्बेडकर ने भारतीय समाज में महिलाओं की गिरती स्थिति की कटु आलोचना की। उनका मानना था कि महिलाओं को पुरूषों के समान अधिकार मिलने चाहिए और उन्हें भी शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू धर्म में महिलाओं को सम्पति के अधिकार से वंचित रखा गया है। हिंदू कोड बिल जो उन्होंने ही तैयार करवाया था,में उन्होंने यह ध्यान रखा कि महिलाओं को भी सम्पति में एक हिस्सा मिलना चाहिए। उन्होंने अस्पृश्यों को संगठित करते समय अस्पृश्य समुदाय की महिलाओं का आगे आने के लिए सदैव आहवान किया कि वे राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों में भाग लें।

डॉ. भीम राव अम्बेडकर जाति प्रथा के कट्टर विरोधी थे। जाति प्रथा का विरोधी होने का मुख्य कारण उनके स्वयं का भुक्तभोगी होना था। वे जाति प्रथा को वर्ण व्यवस्था का आधुनिक और घृणित रूप मानते थे क्योंकि समयानुसार वर्ण व्यवस्था में जटिलता आ गई और उसने जाति प्रथा का रूप धारण कर लिया था। अब व्यक्ति को उसके कार्यों की अपेक्षा जाति से जाना जाने लगा था। जहां समान जाति की उपजातियों के लोगों में भोजन, सदाचार व्यवसाय की समानता होने से विवाह सम्बन्धों की स्थापना हुई और उसने जाति व्यवस्था को मजबूती एवं स्थायित्व प्रदान किया। डॉ भीमराव अम्बेडकर ने जाति प्रथा के विरोध में अनेक कारण बताए-- यह प्रथा निम्न वर्गों के लोगों के गुणों एवं प्रतिमा की उपेक्षा करती है। जाति प्रथा अंतर्जातीय विवाह सम्बधों का बहिष्कार करती है। यह समाज में विद्यमान विभिन्न जातियों में परस्पर द्वेष और तनाव को पैदा करती है। यह व्यवस्था प्रजातन्त्र विरोधी है क्योंकि प्रजातन्त्र में समानता स्वतन्त्रता न्याय और बंधुत्व पर बल दिया जाता है। डॉ. अम्बेडकर ने जाति प्रथा को मानवीय विरोधी माना क्योंकि यह निम्न वर्गों को घृणित और अमानवीय कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। इन्ही आधारों पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने जाति प्रथा का विरोध किया।

वास्तविक अर्थों में डॉ अंबेडकर एक क्रांतिकारी विचारक,समाज सुधारक,समानता के उद्घोषक व महान मानवतावादी थे। सच्चे अर्थों में बाबासाहब सामाजिक पुनर्रचना के प्रणेता थे।

विचार मंथन

डेढ़ लाख नर्सिंग छात्र-छात्राओं का भविष्य 3 साल से अंधकारमय है

(लेखक - सनत जैन)

सरकार में किसी की कोई जिम्मेदारी है, या नहीं। इसको लेकर आम जनता के मन में सवाल उठने लगा है। मंत्री और बड़े-बड़े अधिकारियों और नियम कायदे कानून के बाद भी यह कैसी व्यवस्था है। जिसमें लाखों छात्र-छात्राओं का भविष्य 1 साल नहीं 2 साल नहीं, तीन 3 साल से रुका पड़ा है। मेडिकल विश्वविद्यालय, नर्सिंग काउंसिल,सरकार,हाईकोर्ट के पाले में गेंद,एक दूसरे के पाले मे फेंकी जा रही हैं। लेकिन नर्सिंग कॉलेज के डेढ़ लाख छात्र-छात्राओं को प्रवेश लेने के बाद से ना तो उनकी परीक्षाएं हुई है। नाही विश्वविद्यालय में उनका पंजीयन हुआ है। पिछले 3 वर्षों से नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश ले चुके छात्र-छात्राएं,परेशान होकर यहां से वहां घूम रहे हैं। नर्सिंग कॉलेज, विश्वविद्यालय, नर्सिंग काउंसिल और सरकार के नियम कायदे कानून तलवार की तरह डेढ़ लाख छात्र-छात्राओं के भविष्य पर तलवार लटकी हुई है। किसी छात्र का का 1 साल,किसी का 2 साल और किसी छात्र का 3 साल का समय बर्बाद हो गया। वह भी ऐसे क्षेत्र में जहां नर्सिंग सेवा मे लाखों कर्मियों की देश में कमी है। 2020-21 के मैं नर्सिंग कॉलेजों में फर्स्ट ईयर का एडमिशन लेने वाले, छात्र-छात्राएं 3 साल बाद भी प्रथम वर्ष की परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए। 3 साल से एक ही क्लास में अटके हुए हैं। पंजीयन और परीक्षाओं पर हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी है। नर्सिंग कॉलेजों के फर्जीवाड़े की जांच हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई कर रही है। सरकार पुराने कॉलेजों की मान्यता का नवीनीकरण कर रही है। नए कालेजों को मान्यता भी दे रही है। हर साल नए नए एडमिशन हो रहे हैं। इसके बाद भी 2020-21 के डेढ़ लाख छात्र-छात्राओं का भविष्य आज भी अंधकार में बना हुआ है। 2021 के छात्र छात्राओं के साथ- साथ नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राएं जो सेकंड थर्ड और फाइनल ईयर में थे। उनकी भी परीक्षाएं हाईकोर्ट के आदेश से रुकी हुई हैं। पिछले 3 सालों में किसी भी नर्सिंग कॉलेज से कोई भी छात्र छात्रा पास होकर नहीं निकला है। 35 नर्सिंग कॉलेजों को छोड़कर 485 नर्सिंग कॉलेजों की जांच सीबीआई कर रही है। जब तक जांच पूरी नहीं होगी। हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार उन कॉलेजों के छात्र-छात्राओं की ना तो परीक्षा होगी। नाही उनके प्रवेश को मान्यता मिलेगी। नाही कॉलेज वैध है, या अवैध है। इसके बारे में कोई फैसला हो सकेगा। सीबीआई जांच कर रही है। सीबीआई को कॉलेजों के नाम और पते पर कॉलेज ही नहीं मिल रहे हैं। सीबीआई जांच कर रहे,सूत्रों का कहना है कि नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता देने में भारी गड़बड़ी की गई है। जिन पतों पर कालेजों को मान्यता दी गई है। उन पतों पर कॉलेज ही नहीं मिल रहे हैं। जहां पर कॉलेज मिले,उनके पास कॉलेज खोलने के लिए जो संसाधन और दस्तावेज होने चाहिए थे। वह उपलब्ध नहीं है। मध्य प्रदेश सरकार का संचालक मेडिकल एजुकेशन यह कहकर पल्ला झाड़ लेता है,कि मेडिकल यूनिवर्सिटी इसके लिए जिम्मेदार है। वही जवाब दे सकती है। नर्सिंग काउंसिल और मेडिकल विश्वविद्यालय, एक दूसरे के ऊपर पल्ला झाड़ते हैं। विश्वविद्यालय और नर्सिंग काउंसिल के भ्रष्टाचार और लापरवाही की गाज छात्रों पर गिर रही है। उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। बीता हुआ समय,कभी वापस नहीं आएगा। सरकारी सिस्टम छात्र छात्राओं को बेहतर शिक्षा प्राप्त हो। इसके लिए सभी संस्थाओं को नियंत्रक बनाकर उन्हें जिम्मेदारी दी गई है। यदि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया है। इसका खामियाजा छात्र-छात्राओं को क्यों भुगतना पड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है,कि हाईकोर्ट ने परीक्षाओं में रोक तो लगा दी है। लेकिन तीसरा साल होने को जा रहा है। इसके बाद भी पंजीयन हर साल हो रहे हैं। छात्र छात्राओं के साथ धोखाधड़ी निरंतर हो रही है। परीक्षाएं 3 साल से नहीं हुई। इसके लिए सरकारी मकड़जाल में किसी की भी जिम्मेदारी नहीं है। लोगों का सरकारी व्यवस्थाओं और सरकार के बनाए हुए नियम कानूनों से विश्वास उठता जा रहा है। वहीं न्यायिक व्यवस्था में पीड़ित पक्ष को न्याय मिलने की जगह,उसे एक तरह से प्रताड़ना मिल रही है। छात्र-छात्राओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। इस दिशा में न्यायपालिका को भी सोचने की आवश्यकता है। सरकार भी जिम्मेदार संस्थाओं और उसमें काम करने वाले अधिकारी, जिनकी लापरवाही और रिश्वतखोरी से यह सब घपले घोटाले हुये हैं। उनके बारे में सरकार ने चुप्पी साध रखी है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। विशेष रुप से युवक आक्रोशित हो रहे हैं। प्रवेश परीक्षा और बेरोजगारी के मकड़जाल में फंस कर युवकों का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

भारत रत्न बाबासाहेब

भारत के संविधान निर्माता....
दलितों व पिछड़ो के मसीहा...
समाज सुधार के प्रेरक...

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल , 1891 – 6 दिसंबर, 1956) एक भारतीय विधिवेत्ता थे। वे एक बहुजन राजनीतिक नेता, और एक बौद्ध पुनरुत्थानवादी होने के साथ साथ, भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार भी थे। उन्हें बाबासाहेब के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म एक गरीब अस्पृश्य परिवार मे हुआ था। बाबासाहेब आंबेडकर ने अपना सारा जीवन हिंदू धर्म की चतुवर्ण प्रणाली, और भारतीय समाज में सर्वव्यापित जाति व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष में बिता दिया। हिंदू धर्म में मानव समाज को चार वर्णों में वर्गीकृत किया है। उन्हें बौद्ध महाशक्तियों के दलित आंदोलन को प्रारंभ करने का श्रेय भी जाता है। बाबासाहेब अम्बेडकर को भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया है, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

कई सामाजिक और वित्तीय बाधाएं पार कर, आंबेडकर उन कुछ पहले अछूतों मे से एक बन गये जिन्होने भारत में कॉलेज की शिक्षा प्राप्त की। आंबेडकर ने कानून की उपाधि प्राप्त करने के साथ ही विधि, अर्थशास्त्र व राजनीतिक विज्ञान में अपने अध्ययन और अनुसंधान के कारण कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स से कई डॉक्टरेट डिग्रियां भी अर्जित कीं। आंबेडकर वापस अपने देश एक प्रसिद्ध विद्वान के रूप में लौट आए और इसके बाद कुछ साल तक उन्होंने वकालत का अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने कुछ पत्रिकाओं का प्रकाशन किया, जिनके द्वारा उन्होंने भारतीय अस्पृश्यों के राजनैतिक अधिकारों और सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की। डॉ. आंबेडकर को भारतीय बौद्ध भिक्कू ने बोधिसत्व की उपाधि प्रदान की है।

प्रारंभिक जीवन

भीमराव रामजी आंबेडकर का जन्म ब्रिटिशों द्वारा केन्द्रीय प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में स्थापित नगर व सैन्य छावनी मऊ में हुआ था।[1] वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई मुरबादकर की 14 वीं व अंतिम संतान थे।[2] उनका परिवार मराठी था और वो अंबावडे नगर जो आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे है, से संबंधित था। वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे और उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था।

अम्बेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे, और उनके पिता,भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे और यहां काम करते हुये वो सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त की थी। उन्होने अपने बच्चों को स्कूल में पढने और कड़ी मेहनत करने के लिये हमेशा प्रोत्साहित किया।

कबीर पंथ से संबंधित इस परिवार में, रामजी सकपाल, अपने बच्चों को हिंदू ग्रंथों को पढ़ने के लिए, विशेष रूप से महाभारत और रामायण प्रोत्साहित किया करते थे। उन्होने सेना मे अपनी हैसियत का उपयोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल से शिक्षा दिलाने मे किया, क्योंकि अपनी जाति के कारण उन्हें इसके लिये सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। स्कूली पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद आंबेडकर और अन्य अस्पृश्य बच्चों को विद्यालय मे अलग बिठाया जाता था और अध्यापकों द्वारा न तो ध्यान ही दिया जाता था, न ही कोई सहायता दी जाती थी। उनको कक्षा के अन्दर बैठने की अनुमति नहीं थी, साथ ही प्यास लगने प ?र कोई ऊँची जाति का व्यक्ति ऊँचाई से पानी उनके हाथों पर पानी डालता था, क्योंकि उनको न तो पानी, न ही पानी के पात्र को स्पर्श करने की अनुमति थी। लोगों के मुताबिक ऐसा करने से पात्र और पानी दोनों अपवित्र हो जाते थे। आमतौर पर यह काम स्कूल के चपरासी द्वारा किया जाता था जिसकी अनुपस्थिति में बालक आंबेडकर को बिना पानी के ही रहना पड़ता था। 1894 मे रामजी सकपाल सेवानिवृत्त हो जाने के बाद सपरिवार सतारा चले गए और इसके दो साल बाद, अम्बेडकर की मां की मृत्यु हो गई। बच्चों की देखभाल उनकी चाची ने कठिन परिस्थितियों में रहते हुये की। रामजी सकपाल के केवल तीन बेटे, बलराम, आनंदराव और भीमराव और दो बेटियाँ मंजुला और तुलासा ही इन कठिन हालातों मे जीवित बच पाये।

अपने भाइयों और बहनों मे केवल अम्बेडकर ही स्कूल की परीक्षा में सफल हुए और इसके बाद बड़े स्कूल मे जाने में सफल हुये। अपने एक देशस्त ब्राह्मण शिक्षक महादेव अम्बेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे के कहने पर अम्बेडकर ने अपने नाम से सकपाल हटाकर अम्बेडकर जोड़ लिया जो उनके गांव के नाम ऋअंबावडेऋ पर आधारित था।

रामजी सकपाल ने 1898 मे पुनर्विवाह कर लिया और परिवार के साथ मुंबई (तब बंबई)चले आये। यहाँ अम्बेडकर एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित गवर्न्मेंट हाई स्कूल के पहले अछूत छात्र बने।[3] पढ़ाई में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद, अम्बेडकर लगातार अपने विरुद्ध हो रहे इस अलगाव और, भेदभाव से व्यथित रहे। 1907 में मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद अम्बेडकर ने बंबई विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और इस तरह वो भारत में कॉलेज में प्रवेश लेने वाले पहले अस्पृश्य बन गये। उनकी इस सफलता से उनके पूरे समाज मे एक खुशी की लहर दौड़ गयी , और बाद में एक सार्वजनिक समारोह उनका सम्मान किया गया इसी समारोह में उनके एक शिक्षक कृषणजी अर्जुन केलूसकर ने उन्हें महात्मा बुद्ध की जीवनी भेंट की, श्री केलूसकर, एक मराठा जाति के विद्वान थे। अम्बेडकर की सगाई एक साल पहले हिंदू रीति के अनुसार दापोली की, एक नौ वर्षीय लड़की, रमाबाई से तय की गयी थी।[3] 1908 में, उन्होंने एलिफिंस्टोन कॉलेज में प्रवेश लिया और बड़ौदा के गायकवाड़ शासक सहयाजी राव तृतीय से संयुक्त राज्य अमेरिका मे उच्च अध्धयन के लिये एक पच्चीस रुपये प्रति माह का वजीफा प्राप्त किया। 1912 में उन्होंने राजनीतिक विज्ञान और अर्थशास्त्र में अपनी डिग्री प्राप्त की, और बड़ौदा राज्य सरकार की नौकरी को तैयार हो गये। उनकी पत्नी ने अपने पहले बेटे यशवंत को इसी वर्ष जन्म दिया। अम्बेडकर अपने परिवार के साथ बड़ौदा चले आये पर जल्द ही उन्हें अपने पिता की बीमारी के चलते बंबई वापस लौटना पड़ा, जिनकी मृत्यु 2 फरवरी 1913 को हो गयी।

छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष

भारत सरकार अधिनियम 1919, तैयार कर रही साउथबोरोह समिति के समक्ष, भारत के एक प्रमुख विद्वान के तौर पर अम्बेडकर को गवाही देने के लिये आमंत्रित किया गया। इस सुनवाई के दौरान, अम्बेडकर ने दलितों और अन्य धार्मिक समुदायों के लिये पृथक निर्वाचिका और आरक्षण देने की वकालत की। 1920 में, बंबई में, उन्होंने साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरूआत की। यह प्रकाशन जल्द ही पाठकों मे लोकप्रिय हो गया, तब्, अम्बेडकर ने इसका इस्तेमाल रूढ़िवादी हिंदू राजनेताओं व जातीय भेदभाव से लड़ने के प्रति भारतीय राजनैतिक समुदाय की अनिच्छा की आलोचना करने के लिये किया। उनके दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान दिये गये भाषण ने कोल्हापुर राज्य के स्थानीय शासक शाहू चतुर्थ को बहुत प्रभावित किया, जिनका अम्बेडकर के साथ भोजन करना रूढ़िवादी समाज मे हलचल मचा गया। अम्बेडकर ने अपनी वकालत अच्छी तरह जमा ली, और बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना भी की जिसका उद्देश्य दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये काम करना था। सन् 1926 में, वो बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही उन्होनें अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया। उन्होंने महड में अस्पृश्य समुदाय को भी शहर की पानी की मुख्य टंकी से पानी लेने का अधिकार दिलाने कि लिये सत्याग्रह चलाया।

1 जनवरी 1927 को डॉ अम्बेडकर ने द्वितीय आंग्ल – मराठा युद्ध, की कोरेगाँव की लड़ाई के दौरान मारे गये भारतीय सैनिकों के सम्मान में कोरेगाँव विजय स्मारक मे एक समारोह आयोजित किया। यहाँ महार समुदाय से संबंधित सैनिकों के नाम संगमरमर के एक शिलालेख पर खुदवाये। 1927 में, उन्होंने अपना दूसरी पत्रिका बहिष्कृत भारत शुरू की, और उसके बाद रीक्रिश्टेन्ड जनता की। उन्हें बाँबे प्रेसीडेंसी समिति मे सभी यूरोपीय सदस्यों वाले साइमन आयोग 1928 में काम करने के लिए नियुक्त किया गया। इस आयोग के विरोध मे भारत भर में विरोध प्रदर्शन हुये, और जबकि इसकी रिपोर्ट को ज्यादातर भारतीयों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया, डॉ अम्बेडकर ने अलग से भविष्य के संवैधानिक सुधारों के लिये सिफारिशों लिखीं।

संविधान निर्माण

अपने विवादास्पद विचारों, और गांधी और कांग्रेस की कटु आलोचना के बावजूद अम्बेडकर की प्रतिष्ठा एक अद्वितीय विद्वान और विधिवेत्ता की थी जिसके कारण जब, 15 अगस्त, 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार अस्तित्व मे आई तो उसने अम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री के रूप में सेवा करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। 29 अगस्त 1947 को, अम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी के संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। अम्बेडकर ने मसौदा तैयार करने के इस काम मे अपने सहयोगियों और समकालीन प्रेक्षकों की प्रशंसा अर्जित की। इस कार्य में अम्बेडकर का शुरुआती बौद्ध संघ रीतियों और अन्य बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन बहुत काम आया।

संघ रीति मे मतपत्र द्वारा मतदान, बहस के नियम, पूर्ववर्तिता और कार्यसूची के प्रयोग, समितियाँ और काम करने के लिए प्रस्ताव लाना शामिल है। संघ रीतियाँ स्वयं प्राचीन गणराज्यों जैसे शाक्य और लिच्छवि की शासन प्रणाली के निदर्श (मॉडल) पर आधारित थीं। अम्बेडकर ने हालांकि उनके संविधान को आकार देने के लिए पश्चिमी मॉडल इस्तेमाल किया है पर उसकी भावना भारतीय है।

अम्बेडकर द्वारा तैयार किया गया संविधान पाठ मे संवैधानिक गारंटी के साथ व्यक्तिगत नागरिकों को एक व्यापक श्रेणी की नागरिक स्वतंत्रताओं की सुरक्षा प्रदान की जिनमें, धार्मिक स्वतंत्रता, अस्पृश्यता का अंत और सभी प्रकार के भेदभावों को गैर कानूनी करार दिया गया। अम्बेडकर ने महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक अधिकारों की वकालत की, और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए सिविल सेवाओं, स्कूलों और कॉलेजों की नौकरियों मे आरक्षण प्रणाली शुरू के लिए सभा का समर्थन भी हासिल किया, भारत के विधि निर्माताओं ने इस सकारात्मक कार्यवाही के द्वारा दलित वर्गों के लिए सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के उन्मूलन और उन्हे हर क्षेत्र मे अवसर प्रदान कराने की चेष्टा की जबकि मूल कल्पना मे पहले इस कदम को अस्थायी रूप से और आवश्यकता के आधार पर शामिल करने की बात कही गयी थी. 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद, बोलते हुए, अम्बेडकर ने कहा =

मैं महसूस करता हूं कि संविधान, साध्य (काम करने लायक) है, यह लचीला है पर साथ ही यह इतना मज़बूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों के समय जोड़ कर रख सके। वास्तव में, मैं कह सकता हूँ कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य अधम था।

1951 मे संसद में अपने हिन्दू कोड बिल के मसौदे को रोके जाने के बाद अम्बेडकर ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया इस मसौदे मे उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की मांग की गयी थी। हालांकि प्रधानमंत्री नेहरू, कैबिनेट और कई अन्य कांग्रेसी नेताओं ने इसका समर्थन किया पर संसद सदस्यों की एक बड़ी संख्या इसके खिलाफ़ थी। अम्बेडकर ने 1952 में लोक सभा का चुनाव एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें संसद के ऊपरी सदन यानि राज्य सभा के लिए नियुक्त किया गया और इसके बाद उनकी मृत्यु तक वो इस सदन के सदस्य रहे।

देश में अलग-अलग जाति नहीं सिर्फ इंसान रहें

भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें- यही चाहते थे डा. अंबेदकर।

स्वतंत्रता प्राप्ति में बड़े-बड़े नेताओं की अपनी भूमिका रही है, लेकिन सामाजिक न्याय के संदर्भ में डा. भीमराव अंबेदकर का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। डा. अंबेदकर का जीवन संघर्षों का एक सफरनामा है। इतने पढ़े-लिखे होने के बावजूद एक गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण उन्हें अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कांशीराम और मायावती जैसे राजनेताओं ने दलितों के आंदोलन को नई दिशा देने का ह्रश्वयास किया। काफी हद तक वे कामयाब भी रहे, लेकिन अंबेदकर का दृष्टिकोण इनसे पृथक था। उन्होंने अपने विचार और कार्यशैली से किसी भी स्तर पर दलित समाज को जो दिया, वैसा योगदान राष्ट्रहित को दृष्टिगत रखते हुए कोई नहीं दे सकता। वे चाहते थे कि भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें।

अंतत: डा. अंबेदकर का संघर्ष रंग लाया। दलित कामयाबी की राह पर अग्रसर हुआ। शिखर पर पहुंचा, लेकिन धीरे-धीरे दलित आंदोलन में भटकाव आया। वह सामाजिक परिवर्तन को ताक पर रखकर समानता, भाईचारा और दलित आंदोलन को भूल बैठा और अवसरवादी समझौते करते हुए टुकड़ों में बंटता गया। इसके बावजूद दलित स्वर मुखर एवं देश की भागीदारी में शिखर स्वर है। अभी भी दलितों में राजनीतिक इच्छाशि त का अभाव है। अन्य वर्गों की दलितों के प्रति सहानुभूति कभी परिलक्षित नहीं हुई। आज का दलित नेतृत्व भी मनोवैज्ञानिक पीड़ा, सामाजिक शोषण, आर्थिक दुर्दशा और मानसिक उत्पीड़न का शिकार है। ऐसे में कैसे अपेक्षा करें कि दलित अपनी अस्मिता को बचाकर रख सकता है? दलित अलग-अलग प्रतिध्रुव बना रहे हैं। दलित ही आपस में कई फाकों में विभ त हैं, योंकि आज की विषम परिस्थितियों में दलित नेतृत्व के पास न तो वैचारिक सोच है, न ही सामाजिक ढांचे को मापदंड में लाने का पैमाना जो डा. अंबेदकर की सोच को अंजाम दे सके। अंग्रेजों के शासनकाल में देश में 2000 जातियां थीं। इस कारण नेतृत्व में डा. अंबेदकर सबल थे। आज जातियां बंटकर 4000 हो गई हैं। कहने का भाव यह है कि उतने ही संवेग में दलितों को संघर्ष करना होगा, तभी इसका लाभ मिल सकेगा। इसीलिए अंबेदकर चाहते थे कि देश में जाति न रहे, इंसान रहे। फरवरी 1933 में इंग्लैंड के गार्जियन समाचार पत्र और अमरीका के न्यूयार्क टाइ स के प्रतिनिधि भारतीय नेताओं का इंटरव्यू लेने आए। गांधी, जिन्ना और डा. अंबेदकर ने उन्हें मिलने का अलग-अलग समय दिया। रात्रि नौ बजे से 11 बजे के बीच समय दिए जाने के बावजूद गांधी और जिन्ना सोए हुए मिले। दो बजे दोनों संवाददाता डा. अंबेदकर के पास पहुंचे। उन्होंने प्रश्न किया कि आप इतनी रात तक जाग रहे हैं, जबकि गांधी और जिन्ना तो हमें सोए हुए मिले। डा. अंबेदकर ने बड़े ही सहज भाव सें उत्तर दिया कि वे सोए हुए हैं, क्योंकि उनका समाज जाग रहा है और मैं इसलिए जाग रहा हूं क्योंकि मेरा समाज सोया हुआ है। वे अनभिज्ञ हैं, वे उनकी तरह जागरूक नहीं हैं। कहने का आशय है कि डा. अंबेदकर के विचारों के अनुकूल दलित नेतृत्व को नई दिशा देने वाला सही कर्णधार अभी दलितों में नहीं आ सका है। डा. अंबेदकर ने अपनी भोगी हुई पीड़ा से दलितों को दूर रखा। वे स्कूल में पढ़ नहीं सके, लेकिन दलितों को शिक्षा के अधिकार दिलाए। जो उन्होंने महसूस किया, उससे दलितों को दो-चार नहीं होने दिया लेकिन अंबेदकर को मानने वालों से कैसा व्यवहार किया जाता है, यह सर्वविदित है। डा. अंबेदकर का कहना था कि हमारा राष्ट्र हजारों जातियों में बंटा हुआ है, इसलिए हम एक राष्ट्र नहीं हो सकते। जब तक वर्णवादी व्यवस्था, जातिवाद कायम है, दलितों का उत्पीड़न एवं अत्याचार कम नहीं हो सकते। इसी मुद्दे पर उन्होंने गांधी से बड़ी मुश्किल से समझौता किया।

अंबेदकर की सोच थी कि संगठित होकर ही दलित सरकार बना सकते हैं, क्योंकि सुखभोगी सभी वर्ग अलग-अलग धर्मों में विभ त हैं। आज भी अनुसूचित वर्ग संगठित नहीं है, इसलिए तीसरी ताकत का गठन नहीं हो पा रहा है। कांशीराम के प्रयासों से दलित न केवल सत्ता में आए, बल्कि राष्ट्र की मुज़्यधारा में भी शामिल हो गए, लेकिन उनके मु ति के द्वार नहीं खुले। यही कारण है कि दलित वर्ग सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में व्याप्त अंतर्विरोधों को कम नहीं कर सका और कष्ट भोगने को मजबूर है। बाबासाहब अंबेदकर ने दलितों को शिक्षा, संगठन और संघर्ष का नारा दिया। डा. अंबेदकर को कानूनमंत्री से नवाजे जाने का श्रेय केवल उनकी काबिलियत को जाता है। उन्हें जहां भी अवसर मिला वह दलित विकास की संरचना लागू करते गए। चाहे वह समय गोलमेज परिषद का हो, संविधान निर्माण की बात हो या गांधी से टकराव हो। वे जानते थे कि किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन कर वे दलितों का विकास नहीं कर सकते। आज भी दलित निष्ठावश डा. अंबेदकर का दिली स मान करते हैं किंतु वोट दूसरी पार्टी को देते हैं। दलित इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि आज नहीं तो कल यह ब्राह्मणवादी और दलित गठबंधन सभी को दिखाई देगा। इसलिए वे न तो बसपा को वोट देते हैं, न मायावती को, वे तो बाबा साहब के अहसानों को चुकाने के लिए विवश हैं। डा. अंबेदकर द्वारा निर्मित प्रावधानिक संविधान के उपभोग करने के बाद दलितों ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा कि उनका समाज कहां है, इसलिए दलित राजनीति दिशाहीन हो गई है।

बौद्ध धर्म मे परिवर्तन

सन् 1950 के दशक में अम्बेडकर बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए और बौद्ध भिक्षुओं व विद्वानों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका(तब सीलोन) गये। पुणे के पास एक नया बौद्ध विहार को समर्पित करते हुए, अम्बेडकर ने घोषणा की कि वे बौद्ध धर्म पर एक पुस्तक लिख रहे हैं, और जैसे ही यह समाप्त होगी वो औपचारिक रूप से बौद्ध धर्म अपना लेंगे।[9] 1954 में अम्बेडकर ने बर्मा का दो बार दौरा किया; दूसरी बार वो रंगून मे तीसरे विश्व बौद्ध फैलोशिप के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गये। 1955 में उन्होने भारतीय बुद्ध महासभा या बौद्ध सोसाइटी ऑफ इंडिया की स्थापना की। उन्होंने अपने अंतिम लेख, द बुद्ध एंड हिज़ धम्म को 1956 में पूरा किया। यह उनकी मृत्यु के पश्चात प्रकाशित हुआ। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अम्बेडकर ने खुद और उनके समर्थकों के लिए एक औपचारिक सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया. अम्बेडकर ने एक बौद्ध भिक्षु से पारंपरिक तरीके से तीन रत्न ग्रहण और पंचशील को अपनाते हुये बौद्ध धर्म ग्रहण किया। इसके बाद उन्होने एक अनुमान के अनुसार लगभग 500000 समर्थको को बौद्ध धर्म मे परिवर्तित किया।[9] नवयान लेकर अम्बेडकर और उनके समर्थकों ने हिंदू धर्म और हिंदू दर्शन की स्पष्ट निंदा की और उसे त्याग दिया। इसके बाद वे नेपाल में चौथे विश्व बौद्ध सम्मेलन मे भाग लेने के लिए काठमांडू गये। उन्होंने अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध या कार्ल मार्क्स को 2 दिसंबर 1956 को पूरा किया।

डा बी.आर. अम्बेडकर ने दीक्षा भूमि, नागपुर, भारत में ऐतिहासिक बौद्ध धर्म में परिवर्तन के अवसर पर,15 अक्टूबर 1956 को अपने अनुयायियों के लिए 22 प्रतिज्ञाएँ निर्धारित कीं.800000 लोगों का बौद्ध धर्म में रूपांतरण ऐतिहासिक था क्योंकि यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक रूपांतरण था.उन्होंने इन शपथों को निर्धारित किया ताकि हिंदू धर्म के बंधनों को पूरी तरह पृथक किया जा सके.ये 22 प्रतिज्ञाएँ हिंदू मान्यताओं और पद्धतियों की जड़ों पर गहरा आघात करती हैं. ये एक सेतु के रूप में बौद्ध धर्म की हिन्दू धर्म में व्याप्त भ्रम और विरोधाभासों से रक्षा करने में सहायक हो सकती हैं.इन प्रतिज्ञाओं से हिन्दू धर्म,जिसमें केवल हिंदुओं की ऊंची जातियों के संवर्धन के लिए मार्ग प्रशस्त किया गया, में व्याप्त अंधविश्वासों, व्यर्थ और अर्थहीन रस्मों, से धर्मान्तरित होते समय स्वतंत्र रहा जा सकता है.

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 38.23 अंक करीब 0.06 फीसदी बढ़कर 60,431.00 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,486.91 के उच्च स्तर पर जाने के बाद 60,081.43 तक फिसला। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) 15.60 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी ऊपर आने के बाद अंत में 17,828.00 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,842.15 के उच्च स्तर पर जाने के बाद 17,729.65 तक गिरा।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इस दौरान इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयर सेंसेक्स के शीर्ष पांच शेयरों में रहे। वहीं सबसे अधिक लाभ इंडसइंड बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 2.73 फीसदी तक बढ़े। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 12 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस और एनटीपीसी सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। सबसे अधिक 2.79 फीसदी तक का नुकसान इंफोसिस के शेयरों को हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था।

कमजोरी के साथ खुले शेयर बाजार

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर शुरु हुआ। सेंसेक्स 85.18 अंक की गिरावट के साथ 60,307.59 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 29.80 अंक की गिरावट के साथ 17,782.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार की मिलीजुली शुरुआत हुई है। सुबह सेंसेक्स 102.19 अंक की गिरावट के साथ 60,290.58 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 34.40 अंक की बढ़त के साथ 17,846.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

ईडी ने बीबीसी इंडिया पर फेमा के तहत मामला दर्ज किया!

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा विनिमय संबंधी कथित उल्लंघन को लेकर बीबीसी (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) इंडिया के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि संघीय जांच एजेंसी ने फेमा के प्रावधानों के तहत कंपनी के कुछ कार्यकारी अधिकारियों के बयानों की रिकॉर्डिंग और दस्तावेज मांगे हैं। सूत्रों ने बताया कि कंपनी द्वारा कथित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के उल्लंघन की जांच की जा रही है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब आयकर विभाग ने फरवरी में दिल्ली में बीबीसी कार्यालय परिसरों का सर्वे किया था। आयकर विभाग के प्रशासनिक निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने उस समय कहा था कि मीडिया समूह बीबीसी की भारत में संचालित विभिन्न संस्थाओं की तरफ से दिखाए गए आय एवं लाभ के आंकड़े भारत में उनके परिचालन के अनुरूप नहीं हैं और उसकी विदेशी इकाइयों ने विदेश भेजी गई कुछ रकम पर कर का भुगतान नहीं किया है।

मार्च में यात्री वाहनों की बिक्री 4.7 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । यात्री वाहनों की घरेलू थोक बिक्री मार्च में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 4.7 प्रतिशत बढ़कर 2,92,030 इकाई रही। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी। पिछले साल मार्च में यात्री वाहनों की बिक्री 2,79,525 इकाई रही थी। सियाम ने कहा कि पिछले महीने घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 12,90,553 इकाई रही, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 11,98,825 इकाई थी। पिछले महीने वाहनों की कुल थोक बिक्री 16,37,048 इकाई रही, जबकि मार्च, 2022 में 15,10,534 वाहन बिके थे। 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में यात्री वाहनों की घरेलू बाजार में बिक्री बढ़कर 38,90,114 इकाई रही, जबकि 2021-22 में यह 30,69,523 इकाई थी। सियाम ने कहा कि 2022-23 में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 1,58,62,087 इकाई रही, जबकि 2021-22 में यह 1,35,70,008 इकाई थी। वित्त वर्ष 2022-23 में विभिन्न श्रेणियों में वाहनों की कुल बिक्री बढ़कर 2,12,04,162 इकाई पर पहुंच गई, जो 2021-22 में 1,76,17,606 इकाई थी।

एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर दर घटाई

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक में से एक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए बड़ी राहत दी है। बैंक ने कुछ चयनित समयावधि के लिए मार्जिनल कॉस्ट बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में 85 बेसिस पॉइंट तक की कटौती की है। जो 10 अप्रैल से ही लागू हो गए हैं। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक ने हाल में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया था। इसके बाद से यह उम्मीद की जा रही थी बैंक अपने ग्राहकों सस्ते लोन का फायदा देंगे। आरबीआई की घोषणा के बाद एमसीएलआर में कटौती करने वाला एचडीएफसी देश का पहला बैंक है। एचडीएफसी बैंक से लोन लेने वाले लोगों को इसका फायदा होगा। इस कटौती का लाभ उन लोनधारकों को मिलेगा जिनका लोन एमसीएलआर आधारित है।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने ओर चांदी की कीमतों में तेजी आई है। सोने का वायदा भाव बढ़कर 61 हजार के करीब पहुंच गया है। वहीं चांदी 76 हजार से ऊपर कारोबार कर रही है। अमेरिका में उम्मीद से बेहतर महंगाई के आंकडों के बाद सोने-चांदी की कीमतों में यह उछाल आया है। इसी के साथ ही एमसीएक्स एक्सचेंज पर डिलीवरी वाला सोना 0.55 फीसदी या 332 रुपये बढ़कर 60,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने की कीमतों में अच्छी तेजी रही। इसके अलावा चांदी की कीमतों में भी उछाल आया है। एमसीएक्स पर डिलीवरी वाली चांदी 0.64 फीसदी या 371 रुपये की उछाल के साथ 76,335 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखाई दी। इस प्रकार चांदी धीरे-धीरे अपने शीर्ष स्तर की ओर बढ़ रही है।सोने की विश्व स्तर पर कीमतों में भी गुरुवार को तेजी रही। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक भाव 0.91 फीसदी या 18.40 डॉलर की बढ़त के साथ 2043.30 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.63 फीसदी या 12.63 डॉलर की बढ़त के सारथ 2027.56 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया। इसके अलावा कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक वायदा भाव 1.09 फीसदी या 0.28 डॉलर की बढ़त के साथ 25.74 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखाई दिया।

गूगल लेटेस्ट पीक्सल7ए स्मार्टफोन करेगी लॉन्च

-कैमरा डिज़ाइन समेत ऑनलाइन रेंडर लीक

नईदिल्ली ।

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल अपना लेटेस्ट पीक्सल7ए स्मार्टफोन लॉन्च करने के लिए तैयारी में है। लॉन्च से पहले ही पीक्सल7ए के रेंडर ऑनलाइन सामने आ गए हैं। इससे पता चलता है कि नए 5जी फोन के डिजाइन से फैंस को क्या उम्मीद की जा सकती है। फोन का लांचिंग इवेंट 10 मई को अमेरिका में शुरू होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लीक हुए रेंडर से मालूम हुआ कि पीक्सल 7ए डिज़ाइन के मामले में पीक्सल 6ए के जैसा ही होगा। फोन के फ्रंट में सेंट्रली अलाइंड पंच-होल डिस्प्ले डिजाइन देखा जा सकता है। फिलहाल देखा जा रहा है कि कंपनी ने नए फोन के बेजल्स में थोड़ा बदलाव किया है और इसे पहले से पतला कर दिया है। कहा जा रहा है कि 7ड्ड मेटल फ्रेम के साथ आएगा। फिलहाल इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि गूगल बैक पैनल के मटेरियल में भी बदलाव करने पर विचार कर रहा है या नए वर्जन में भी पॉलीकार्बोनेट बॉडी होगी।लीक रिपोर्ट से फोन के कलर ऑप्शन भी सामने आ गए हैं, और पता चला है कि फोन लाइट ब्लू, व्हाइट और ब्लैक या ग्रे टाइप के वेरिएंट में आ सकता है।

ब्लू कलर पिछले साल के सेज की जगह लेता है। पीक्सल 7ए को 7 और 7 प्रो की तरह ही टेंसर जी2 चिप दिया जाएगा। इससे ये पता चलता कि गूगल आखिरकार सैमसंग, वनप्लस और दूसरे कम्पीटीशन के दबाव में 90एचझेड डिस्प्ले को शामिल कर रहा है।इसके अलावा, रेंडर्स को देखते हुए, ब्लैक (चारकोल) पहले की तुलना में थोड़ा हल्का है। डिज़ाइन के मामले में पीक्सल 7ए पिछले पीक्सल 7 के जैसा ही दिखता है, लेकिन सामने की तरफ थोड़े मोटे बेज़ल के साथ आ सकता है।

अमेरिका के फेडरल रिजर्व की ओर से जारी मिनट्स में मंदी की आशंका

वाशिंगटन ।

अमेरिका में इस साल मंदी आ सकती है, फेडरल रिजर्व की ओर से जारी मिनट्स में इस बात की आशंका जताई गई है। फेडरल रिजर्व की ओर से जारी मिनट्स में कहा गया है कि अमेरिका की बैंकिंग संकट की वजह से इस साल के ओ खिर तक मंदी आ सकती है। हालांकि फेडरल रिजर्व को महंगाई के मोर्चे पर बड़ी राहत मिली है, लेकिन क्या इससे ब्याज दरों की बढ़ोतरी रुकेगी और अगर नहीं, तो फिर इकोनॉमी को फेड कैसे संभालेगा।फेड के सदस्यों ने इस बात की आशंका जताई है कि इस साल के अंत तक मंदी आएगी और इस मंदी से रिकवर होने में कम से कम दो साल का वक्त लगेगा। फेड के सदस्यों ने मिनट्स में कहा कि अमेरिका के बैंकिंग सेक्टर में जो कुछ भी हुआ है, उसका असर घरों, कारोबार और आर्थिक गतिविधियों, हायरिंग और महंगाई पर पड़ा है क्योंकि कर्जों को लेकर सख्ती बढ़ है।फेड के वाइस चेयरमैन माइकल बार का कहना है कि अमेरिका का बैंकिंग सिस्टम मजबूत और लचीला बना रहेगा, हालांकि इकोनॉमी पर इसका विपरीत प्रभाव देखन को मिल सकता है। फेड के मिनट्स में अधिकारियों ने अनुमान लगाया गया है कि साल 2023 में जीडीपी सिर्फ 0.4 फीसदी रह सकती है। अब इससे अर्थशास्त्री ये अनुमान लगा रहा है कि फेड ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर लगाम कसेगा, लेकिन फेड के अधिकारियों की सोच कुछ और है, वो महंगाई को काबू करने के लिए एक और बढ़ोतरी की गुंजाइश देखते हैं।

भारतीय-अमेरिकी संबंध मजबूत करने अमेरिकी संसद भवन में 26 को बैठक

नई दिल्ली । भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रमुख सदस्य कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य, प्रशासन के महत्वपूर्ण नेता तथा विदेश नीति के विशेषज्ञ 26 अप्रैल को बैठक करेंगे ताकि अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की जा सके। खन्ना कांग्रेशनल कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन के सह अध्यक्ष हैं। खन्ना ने अमेरिकी कांग्रेस में भारत-अमेरिका की अपनी तरह की पहली बैठक आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस बैठक के लिए देश भर से प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकियों को आमंत्रित किया गया है। भारत में अमेरिका के नए राजदूत एरिक गार्सेटी अपने भारतीय समकक्ष तरणजीत सिंह संधू के साथ कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए यहां आएंगे। इनके अलावा अमेरिका के उप विदेश मंत्री रिच वर्मा, पूर्व रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस, इंडिया कॉकस के दो सह-अध्यक्ष कांग्रेसी रो खन्ना और माइक वाल्ट्ज आदि शामिल होंगे।

सरकार नए आवंटित ब्लॉक की मंजूरी में तेजी लाने पोर्टल विकसित कर रही: कोयला सचिव

नई दिल्ली ।

कोयला सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि सरकार नए आवंटित कोयला ब्लॉक की निगरानी और मंजूरी में तेजी लाने के लिए एक पोर्टल विकसित कर रही है। सचिव और अतिरिक्त कोयला सचिव तथा नामित प्राधिकारी एम नागराजू ने निजी उपयोग वाले कोयला (कैप्टिव) और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक आवंटियों के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात कर कोयला उत्पादन बढ़ाने समेत अन्य चुनौतियों पर चर्चा की। सचिव ने संबंधित पक्षों को सूचित किया कि नए आवंटित ब्लॉक से कोयले का शीघ्र उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए भूमि की समय पर उपलब्धता और अन्य मंजूरियां सर्वोपरि है। मंत्रालय में नामित प्राधिकरण इस संबंध में मुद्दों की समय पर निगरानी और समाधान के लिए एक पोर्टल विकसित कर रहा है। एम. नागराजू ने कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने, क्षेत्र को और आकर्षक बनाने तथा कारोबार करने में आसानी के लिए मंत्रालय की नीति स्तरीय निर्णयों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने नीलामी व्यवस्था को अधिक आकर्षक और लाभप्रद बनाने के लिए वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के विभिन्न हिस्सों में मंत्रालय के लागू किए गए प्रमुख सुधारों का भी जिक्र किया। सरकार ने अब तक छह चरणों में कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी पूरी की है। इसमें कुल 87 कोयला ब्लॉक रखे गए थे। सातवें चरण की नीलामी 29 मार्च को शुरू हुई। इसमें लिग्नाइट समेत 106 कोयला ब्लॉक को रखा गया है।

खुदरा महंगाई की मार्च में घटकर 5.66 फीसदी रही

नई दिल्ली ।

खुदरा महंगाई की दर मार्च में घट गई है। मार्च 2023 में खुदरा महंगाई दर 5.66 फीसदी रही है। बीते महीने खुदरा महंगाई 15 महीने के निचले स्तर पर रही। मुख्य रूप से खाने का सामान सस्ता होने से महंगाई दर घटी है। यह फरवरी 2023 में 6.44 फीसदी रही थी। सरकार की ओर से 12 अप्रैल को जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है। इसके साथ ही महंगाई दर आरबीआई के टॉलरेंस बैंड के दायरे में आ गई है। यह भारतीय रिजर्व बैंक की 6 फीसदी की अपर लिमिट के अंदर है। बता दें कि आरबीआई मौद्रिक नीति पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति 2 फीसदी घटबढ़ के साथ 4 फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। कंज्यूमर प्राइस इंजेक्स (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी 2023 में 6.44 फीसदी और एक साल पहले मार्च में 6.95 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार खाद्य प्रोडक्ट्स की मुद्रास्फीति मार्च में 4.79 फीसदी रही। यह आंकड़ा फरवरी में 5.95 फीसदी और एक साल पहले इसी अवधि में 7.68 फीसदी था। अनाज, दूध और फलों की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर 2022 में 5.7 फीसदी से बढ़कर फरवरी 2023 में 6.4 फीसदी हो गई थी। हाल ही में आरबीआई ने नए वित्त वर्ष की पहली एमपीसी बैठक में रेपो रेट को स्थिर रखने का ऐलान किया था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 में कंज्यूमर प्राइस इंजेक्स आधारित मुद्रास्फीति के 5.2 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया है।

कच्चा तेल महंगा, पेट्रोल पटना और गुरुग्राम में 50 पैसे महंगा

- ब्रेंट क्रूड का भाव 2 डॉलर से ज्यादा चढ़कर 87.21 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतों में एक दिन की नरमी के बाद लगातार उछाल दिख रहा है। बीते 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड 2 डॉलर से ज़े यादा महंगा होकर 87 डॉलर के भाव को पार कर गया है। गुरुवार को पटना, गुरुग्राम सहित देश के कई शहरों में तेल के दाम बढ़ गए हैं।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 50 पैसे महंगा होकर 107.74 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 48 पैसे चढ़कर 94.82 रुपए लीटर बिक रहा है। इसी तरह हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में भी पेट्रोल 49 पैसे महंगा होकर 97.38 रुपए लीटर पहुंच गया है। यहां डीजल 48 पैसे महंगा होकर 90.24 रुपए लीटर बिक रहा है।

कच्चे तेल की बात करें तो इसकी कीमतों में लगातार दूसरे दिन उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव 2 डॉलर से ज्यादा चढ़कर 87.21 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी ग्लोबल मार्केट में बढ़त के साथ 83.16 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.74 रुपए और डीजल 94.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.38 रुपए और डीजल 90.24 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

टीसीएस का मुनाफा 14.8 फीसदी बढ़कर 11,436 करोड़ रहा

मुंबई ।

टाटा ग्रुप की सॉफ्टवेयर कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित कर दिए। चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 14.8 फीसदी बढ़कर 11,436 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कंपनी का राजस्व 16.9 फीसदी बढ़ा। टीसीएस का मुनाफा साल-दर-साल आधार पर 14.8 फीसदी बढ़कर 11,436 करोड़ रुपए रहा। वहीं दिसंबर 2022 तिमाही में कंपनी का मुनाफा 10,846 करोड़ रुपए था। वित्तीय वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में कंपनी का राजस्व पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 16.9 फीसदी बढ़कर 59,162 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कंपनी का राजस्व 50,591 करोड़ रुपए था। वहीं वित्तीय वर्ष 2022-23 की दिसंबर तिमाही में कंपनी का राजस्व 58,229 करोड़ रुपए था।

टीसीएस ने नतीजे जारी करते हुए बताया कि उन्होंने वित्त वर्ष 23 के दौरान 22,600 कर्मचारियों को नौकरी दी। पिछले वर्ष में इसने पूरे साल के दौरान 1.3 लाख कर्मचारियों को नौकरियां दी थी। 31 मार्च 2023 तक कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 6,14,795 रही। पिछली तिमाही के 21.3 फीसदी नौकरी छोड़ने की दर में गिरावट जारी है। इस तिमाही में गिरकर 20.1 फीसदी रही।

सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर तीसरी जीत दर्ज करने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में जीत की लय बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। केकेआर का लक्ष्य सनराइजर्स को हराकर जीत की हैट्रिक बनाना रहेगा। इससे पहले मैच में केकेआर को रिंकू सिंह की चमत्कारी बल्लेबाजी से जीत मिली थी। रिंकू ने गुजरात आइटंस के खिलाफ मैच में अंतिम ओवर में पांच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। अब रिंकू का लक्ष्य इस मैच में भी जमकर रन बनाते हुए ये साबित करना रहेगा कि पिछले मैच में उसकी पारी कोई तुक्का नहीं थी।

केकेआर के लिए यह 16 सत्र अच्छा रहा है। उसने पहले मैच में पंजाब किंग्स से हार मिली पर दूसरे मैच में शार्दुल ठाकुर के शानदार प्रदर्शन से केकेआर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। वहीं तीसरे मैच में उसने गुजरात टाइटंस को हराया। इस प्रकार देखा जाये तो केकेआर के हौसले बुलंद हैं और ऐसे में अब उसे अपने घरेलू मैदान पर होने वाले मैच मे हैदराबाद के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

टीम इस बार नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर के आईपीएल से बाहर होने के कारण नितीश राणा की कप्तानी में उतरी है। इस लीग में अब तक टीम के मुख्य ऑलराउंडर आंद्रे रसेल और कप्तान राणा का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। इसके बाद भी टीम के हौसले बुलंद हैं। ऐसे में अब रसेल और राणा भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। रसेल ने पंजाब के खिलाफ पहले मैच में 19 गेंदों पर 35 रन बनाए थे लेकिन अगले दो मैचों में वह शून्य और एक रन ही बना पाए।

केकेआर ने अभी तक तीनों मैच में अलग-अलग सलामी जोड़ियां उतारी हैं और माना जा रहा है कि इस मैच में भी वह इसी रणनीति पर काम करेगी। सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय को रहमनुल्लाह गुरबाज की जगह पर अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में जगह मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स के कप्तान एडेन मार्कराम के लिए यह मुकाबला बेहद कठिन रहेगा। उनकी टीम के पास हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल और हेनरिक क्लासेन जैसे शानदार खिलाड़ी हैं पर जिस प्रकार से अब तक के मैचों में केकेआर के गेंदबाजों ने प्रदर्शन किया था उसको देखते हुए हैदराबाद के खिलाड़ियों की राह बेहद मुश्किल है। हैदराबाद के पास सीमित ओवरों के कई विशेषज्ञ खिलाड़ी हैं पर इनमें से कोई भी अबतक सफल नहीं रहा है।

सनराइजर्स ने पिछले मैच में राहुल त्रिपाठी की नाबाद 74 रन की पारी के बल पर पंजाब को आठ विकेट से हराया था। इस जीत से प्रेरित होते हुए सनराइजर्स की टीम केकेआर को कड़ी टक्कर देने का प्रयास करेगी। त्रिपाठी बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाकर टीम को आगे ले जाने का प्रयास करेंगे। सनराइजर्स को युवा ब्रूक और क्लासेन से भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीदें रहेंगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स : नितीश राणा (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), एन जगदीसन, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, सुयश शर्मा, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती।

सनराइजर्स हैदराबाद : एडेन मार्कराम (कप्तान), मयंक अग्रवाल, हैरी ब्रूक, राहुल त्रिपाठी, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, मार्को जानसन, भुवनेश्वर कुमार, मयंक मारकंडे, उमरान मलिक, टी नटराजन।

सनराइजर्स के पास वाशिंगटन सुंदर और मयंक मार्कंडेय जैसे स्पिनर हैं। इसके अलावा उसके पास भुवनेश्वर कुमार और मार्को यानसन जैसे तेज गेंदबाज हैं जिससे वह केकेआर के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयास करेगी।

कैपिटल्स को अभी अच्छी टीम बनने में समय लगेगा : गांगुली

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली के अनुसार इस बार उनकी टीम गैर अनुभवी युवा खिलाड़ियों से भरी हुई है। इसी कारण उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। गांगुली के अनुसार इस टीम को एक विजयी इकाई में उभरने में समय लगेगा। इसलिए सभी को दबाव न बनाते हुए टीम को बेहतर होने के लिए समय देना चाहिये। कैपिटल्स की टीम इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती है हालांकि उसने सभी चारों मैचों में अंतिम गेंद तक संघर्ष किया। टीम अभी अंक तालिका में सबसे नीचे है। पूर्व भारतीय कप्तान के अनुसार इस प्रकार की हार निराशाजनक होती है पर खेल में हमें इस प्रकार के हालातों के लिए तैयार रहना होगा। साथ ही कहा कि खेल में इस प्रकार की चीजें होती रहती हैं। जब आप हारते हो तो यह कभी भी आसान नहीं होता। हमारी टीम में इतने सारे युवा खिलाड़ी हैं, इसलिए हमें अच्छी टीम बनने में समय लगेगा। इसके साथ ही गांगुली ने जोर दिया कि खिलाड़ियों को यह जानने की कोशिश करने की जरूरत है कि क्या चीज गलत रही।

उन्होंने कहा, ''यह केवल यहीं से हो सकता है और उम्मीद करता हूं कि ये युवा खिलाड़ी बेंगलुरू में बड़े स्कोर वाले विकेट पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि वापसी के लिए आपको स्वयं प्रयास करना पड़ता है। यह सभी के साथ होता है। इसके सबसे बेहतर तरीका है कि टीम एक इकाई की तरह से खेले।

आईपीएल के आने वाले मुकाबलों में कांटे की टक्कर होना तय

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब आने वाले मैच बेहद संघर्षपूर्ण होना तय है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पिछले तीनों ही मैचों में विजेता का फैसला अंतिम गेंद पर हुआ है। बेहद रोमांचक रहे और सभी का परिणाम अंतिम गेंद पर निकला। मुंबई इंडियंस ने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया। इस मैच में मुम्बई को अंतिम गेंद पर जीत के लिए 2 रन बनाने थे और टिम डेविड ने एनरिक नॉर्किया पर ये दो रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। वहीं इससे पहले हुए मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने अंतिम गेंद पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को एक विकेट से हराया था। तब अंतिम ओवर में लखनऊ को जीत के लिए 5 रन चाहिए थे और हर्षल पटेल ने 2 विकेट लेकर लखनऊ के हाथ से मैच दूर कर दिया था पर इसके बाद अंतिम गेंद पर आवेश खान और रवि बिश्नाई ने एक रन दौड़कर अपनी टीम को जीत दिला दी।

वहीं इसी प्रकार केकेआर ने चैंपियन गुजरात टाइटंस को 3 विकेट से हराया था। इस मैच में केकेआर की हार तय मानी जा रही थी पर रिंकू सिंह ने पांच गेंदों पर छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। आईपीएल अंकतालिका में अभी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम 6 अंक के साथ शीर्ष पर है. उसने अब तक खेले 4 में से 3 मैच जीते है। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम दूसरे, केकेआर तीसरे, गुजरात टाइटंस चौथे, चेन्नई सुपर किंग्स 5वें और पंजाब किंग्स की टीम छठे नंबर पर है। इन सभी के 2-2 अंक हैं पर रन औसत के आधार पर इन्हें अंक तालिक में अलग-अगल स्थान मिले हैं।

विश्वकप में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मुकाबले होने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। अक्टूबर और नवंबर में होने वाले एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप में दस टीमें भाग लेंगी। इसमें प्रत्येक टीम को 8 से अधिक मैच खेलने होंगे। इस टूर्नामेंट के लिए 7 टीमों को प्रवेश मिला है जबकि तीन टीमें क्वालिफाइंग मुकाबलों के जरिये प्रवेश हासिल करेंगी। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मुकाबले हो सकते हैं। ये दोनो ही टीमें लीग राउंड के बाद सेमीफाइनल और फाइनल में भी एक-दूसरे के खिलाफ उतर सकती हैं। इन दोनो टीमों के बीच शुरुआत से अभी तक सात बार मुकाबला हुआ। है। दोनों टीमें एक बार फिर विश्व कप में एक-दूसरे के खिलाफ उतरने को तैयार रहेंगी। इस बार भारतीय टीम अपनी धरती पर होने वाले विश्वकप को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देगी। इससे पहले भारतीय टीम ने 2011 में अपनी ही धरती पर हुए विश्वकप को जीता था। इस टूर्नामेंट में फाइनल सहित कुल 48 मुकाबले होंगे। भारतीय टीम ने अब तक दो बार 1983 और 2011 में विश्वकप जीता था। वर्ल्ड कप में अब तक भारत के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान ने प्रवेश हासिल किया है जबकि 8वीं टीम का फैसला बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच होने वाली तीन मैचों की सीरीज में होगा। आयरलैंड की टीम यदि इस सीरीज में क्लीन स्वीप करती है, तो वह विश्व कप में प्रवेश हासिल कर लेगी। वहीं उसके एक भी मैच हारने पर दक्षिण अफ्रीकी टीम विश्वकप के लिए क्वालिफाई कर लेगी। आईसीसी टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले खेले जा सकते हैं.

वहीं विश्व कपा की अंतिम 2 टीमों पर फैसला क्वालिफायर से होगा। आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका में से भी किसी एक टीम को क्वालिफायर में उतरना होगा। क्वालिफायर के मुकाबले 18 जून से 9 जुलाई के बीच जिम्बाब्वे में खेले जाएंगे। विश्वकप राउंड रॉबिन आधार पर खेल जाएगा। इसमें सभी दस टीमों को विरोधी टीमों के खिलाफ खेलना होगा। इस प्रकार एक टीम का 9 मैच खेलना तय है। इसके बाद शीर्ष-4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसमें इंग्लैंड की टीम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है। विश्वक कप के लीग राउंड के बाद सेमीफाइनल मुकाबले होंगे। नंबर-1 टीम की भिड़ंत नंबर-4 से तो नंबर-2 का मुकाबला नंबर-3 से होगा।

क्रिकेटर रवि बिश्नोई और विजय दहिया ने रामलला के दर्शन किये

अयोध्या (एजेंसी)। क्रिकेटर रवि बिश्नोई और पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया ने अयोध्या पहुंचकर हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन किये हैं। बिश्नोई अभी आईपीएल में लखनऊ सुपरजाइंट्स की ओर से खेल रहे हैं। इन दोनो ही क्रिकेटरों ने मंदिर दर्शन के साथ ही निर्माण के काम को भी देखा। इस दौरान इन क्रिकेटरों को अपने सामने देख पुजारी से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक हैरान हो गये और उन्होंने इसके बाद इन दोनो ही खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें खिंचाने के साथ ही सेल्फी भी ली। ये दोनो ही खिलाड़ी निर्माणाधीन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर देखकर बेहद खुश नजर आये। बिश्नोई और दहिया पहले अयोध्या हनुमानगढ़ी पहुंचे और दर्शन पूजन किया। इस दौरान उनके साथ पुलिस और निजी सुरक्षा गार्डों के कारण भी थे। ये दोनो ही इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि परिसर में रामलला के दरबार में पहुंचे। रामलला का दर्शन करने के बाद उन्हें रामलला का विशेष प्रसाद और तुलसीजल दिया गया, इसके साथ ही सहायक पुजारी प्रदीप दास ने उन्हें तिलक लगाया और उनसे साथ सेल्फी ली। इसके बाद वह निर्माणाधीन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भी देखने गए और देखने के बाद अपनी खुशी भी जाहिर की।

हरभजन ने बटलर को विश्व क्रिकेट का नंबर एक बल्लेबाज बताया

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने राजस्थान रॉयल्स सलामी बल्लेबाज जोस बटलर की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन के अनुसार बटलर ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ स्पिन के अनुकूल पिच पर काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। इससे वह विश्व के नंबर एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर उभरे हैं। हरभजन ने कहा, मेरे पास बटलर की तारीफ करने के लिए शब्द नहीं हैं। वह एक शानदार बल्लेबाज है। वह क्रीज का अच्छा उपयोग करता है, उसके पास अच्छी तकनीक है, और उसके पास गति और स्पिन के खिलाफ खेलने के लिए एक अच्छा फुटवर्क भी है। मेरे लिए वह इस समय विश्व क्रिकेट में नंबर एक बल्लेबाज है। बटलर की बल्लेबाजी के बल पर ही रॉयल्स ने अच्छा स्कोर बनाते हुए साल 2008 के बाद चेपक स्टेडियम में अपनी पहली जीत दर्ज करने में सफलता हासिल की है। पहले बल्लेबाजी करते हुए बटलर ने 36 गेंदों में 52 रन बनाने के साथ ही सत्र का अपना तीसरा अर्धशतक लगाया। वहीं देवदत्त पडिक्कल ने 38, अश्विन ने 30, और शिमरोन हेटमेयर ने नाबाद 30 रन बनाये। पारी इस पारी के साथ ही बटलर ने आईपीएल में 3000 रन पूरे किए और तीसरे सबसे तेज ऐसा करने वाले खिलाड़ी बने। इसके बाद संदीप शर्मा ने अंतिम ओवर में महेन्द सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा को 21 रन नहीं बनाने देकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

बल्लेबाजी के लिए हमेशा तैयार रहता हूं : अश्विन

चेन्नई । आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर जीत में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि वह हमेशा से ही बल्लेबाजी के लिए तैयार रहते हैं। अश्विन ने सीएसके के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए बल्लेबाजी में 30 रन बनाने के साथ ही गेंदबाजी में 2 विकेट भी लिए। उन्हें इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। इसके बाद सैमसन ने कहा कि वह सभी लोगों को अपने प्रदर्शन से हैरान करते हैं। अश्विन ने कहा, मुझे लगता है कि मैं लोगों को हैरान करता हूं। जब भी मैं बल्लेबाजी के लिए जाता हूं, तो लोग सोचते हैं कि मैंने अभी फैसला किया और बाहर आ गया पर ऐसा नहीं है मुझे बल्लेबाजी के लिए भेजा जाता है। कप्तान संजू सैमसन का विकेट गिरने के कारण मुझे भेजा गया। मैं अपनी ताकत का आंकलन करने में कहीं बेहतर हूं, मुझे जमने के लिए कुछ गेंदें लगती हैं। मैं बल्लेबाजी में शुरू से ही तैयार रहता हूं। यह कोई आसान बात नहीं है पर यह अच्छी है। मैं अच्छी टेस्ट फॉर्म के साथ आया। मुझे लगता है कि मैं अच्छी पकड़ हासिल करने और गेंद को सही लेंथ पर गिराने में सक्षम हूं। अगर मैं उन चीजों को पिछले दो साल तक पंजाब किंग्स के साथ रहने के दौरान अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया तो इसका ये मतलब नहीं कि इस बार भी ऐसा ही होगा।

एशेज सीरीज में आक्रामक रणनीति रखेगी इंग्लैंड : स्टोक्स

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि इस साल जून में होने वाली एशेज सीरीज में उनकी टीम आक्रामक रणनीति अपनाएगी। स्टोक्स के अनुसार उनकी टीम आक्रामक बल्लेबाजी के साथ ही तेज गेंदबाजी के लिए अनुकूल पिचों पर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं देगी। इंग्लैंड ने नये कोच ब्रैंडन मैकुलम के आने के बाद से ही टेस्ट मैचों में आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति अपनाई है। इसी कारण उसे काफी लाभ भी हुआ है और टीम ने 12 में से 10 मैचों में जीत हासिल की है।

स्टोक्स ने कहा कि बल्लेबाजी में अपनी इस रणनीति पर बने रहते हुए वह तेज गेंदबाजों को उतारकर एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए मुश्किलें पैदा कर देंगे। स्टोक्स ने कहा, 'अगर मैं चाहता तो 20 सदस्यीय टीम चुन सकता था। मैंने चिकित्सा टीम से कहा है कि वह मुझे चयन के लिए आठ गेंदबाज मुहैया कराए। इस साल मैच काफी करीबी होने वाले हैं इसलिए मैं चाहता हूं कि प्रत्येक मैच के लिए हमारे पास विकल्प उपलब्ध रहें। इस खिलाड़ी ने फिर से एशेज हासिल करने के लिए अपने दिमाग में अंतिम एकादश तय कर ली है। एशेज में पांच मैचों की श्रृंखला 16 जून से एजबेस्टन में शुरू होगी। जो रूट की अगुवाई में इंग्लैंड पिछली श्रृंखला में 0-4 से हार गया था। स्टोक्स ने कहा, 'हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास चयन के लिए अच्छे खिलाड़ियों का समूह है। मैं जानता हूं कि मुझे किस अंतिम एकादश के साथ मैदान पर उतरना है। इंग्लैंड के पास अनुभवी जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के अलावा जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड और ओली स्टोन के जैसे तेज गेंदबाज है जिससे उसके लिए सीरीज जीतना आसान रहेगा।

कोच फ्लेमिंग को उम्मीद, घुटने में दर्द के बाद भी सीएसके की कप्तानी करते रहेंगे धोनी

-तेज गेंदबाज सिसांडा के बाहर होने के साथ ही चोटिल खिलाड़ियों की तादाद बढ़ी

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के 16 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई खिलाड़ी फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं। धोनी घुटने की चोट के कारण बाहर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के साथ मुकाबले में चोटिल होने के कारण दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज सिसांडा मगाला भी दो सप्ताह के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि धोनी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। फ्लेमिंग ने रॉयल्स के हाथों तीन रन से मिली हार के बाद कहा, 'धोनी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। इससे उन्हें थोड़ी परेशानी हो रही है। उनकी फिटनेस किसी पेशेवर खिलाड़ी की तरह रही है।'

फ्लेमिंग को हालांकि विश्वास है कि धोनी अपनी चोट को संभाल लेंगे और टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, 'वह मैच फॉर्म में वापस आने के लिए अपने तरीके से काम करते हैं और आप देख सकते हैं कि वह काफी अच्छा खेल रहे हैं।' वहीं सिसांडा बुधवार को केवल दो ओवर यह कर पाए और उन्हें चोटिल होने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। फ्लेमिंग ने कहा, 'हम फिर से एक और खिलाड़ी की सेवाएं नहीं ले पाएंगे। हम पहले ही चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे हैं। इसलिए मैं चाहता हूं इस संख्या में बढ़ोतरी रुके।'

टीम की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एड़ी के चोट के कारण पहले ही इस मैच से बाहर हैं। वहीं तेज गेंदबाज दीपक चाहर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले ही आईपीएल से बाहर हो गये थे। कोच के अनुसार न्यूजीलैंड में कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए गए श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना अब ठीक हो गए हैं और उन्हें शामिल किया जाएगा। हैं।

भारत ने सुहल जूनियर निशानेबाजी विश्व कप के लिए 39 सदस्यीय टीम चुनी

नई दिल्ली। भारत ने जर्मनी के सुहल में एक से छह जून तक होने वाली आईएसएसएफ विश्व कप जूनियर राइफल/पिस्टल/शॉटगन निशानेबाजी प्रतियोगिता के लिए गुरुवार को 39 सदस्यीय टीम घोषित की। जूनियर विश्व कप के बाद कोरिया में चांगवोन में जुलाई में जूनियर विश्व चैंपियनशिप भी होगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) द्वारा घोषित टीम में कई ऐसे निशानेबाज हैं जो पिछले कुछ समय से जूनियर स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनमें पिस्टल वर्ग में सिमरनजीत कौर बरार, राजकंवर सिंह संधू और समीर तथा राइफल वर्ग में अभिनव साव और धनुष श्रीकांत के अलावा शॉटगन वर्ग में शारदुल विहान और प्रीति राजक शामिल हैं। गौतमी भनोट और स्वाति चौधरी (राइफल), अभिनव चौधरी और शुभम बिस्ला (पिस्टल) तथा सबीरा हैरिस और हरमेर सिंह लाली (शॉटगन) जैसे उभरते हुए निशानेबाजों को भी टीम में जगह मिली है। मिश्रित टीम एयर राइफल, एयर पिस्टल और ट्रैप स्पर्धाओं के लिए दो मिश्रित टीम जोड़ियों की घोषणा भी की गई।

वॉल्श महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच पद से बाहर हुए

जमैका । वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने कोच कर्टनी वॉल्श को वेस्टइंडीज की राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच पद से हटा दिया है। वेस्टइंडीज बोर्ड ने टीम के दक्षिण अफ्रीका में हाल में खेले गए टी20 विश्वकप कप के नॉकआउट चरण में पहुंचने में विफल रहने के बाद वॉल्श को बाहर किये जाने की घोषणा की। बोर्ड ने कहा कि वॉल्श और अन्य सहयोगी स्टाफ की जगह जल्द ही नई नियुक्ति होगी। टी20 विश्वकप कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद सहयोगी स्टाफ के किसी भी सदस्य का अनुबंध आगे नहीं बढ़ाया गया है। वेस्टइंडीज टी20 विश्वक कप में पहले दो मैचों में इंग्लैंड और भारत से हार गया था। इसके अलावा आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद भी टीम अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रही थी। वॉल्श अक्टूबर 2020 में वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बयान में कहा, 'क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने महिला टीम के मुख्य कोच कर्टनी वॉल्श के अनुबंध को नहीं बढ़ाने का फैसला किया है और उनके स्थान पर नई नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी।,'

एसी मिलान ने नेपोली को 1-0 से हराया

मिलान। एसी मिलान ने इस्माइल बेनेसर के गोल की मदद से चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में नेपोली को 1-0 से पराजित किया। इस्माइल बेनेसर ने 40वें मिनट में गोल दागा जिससे एसी मिलान अपने कट्टर प्रतिद्वंदी पर बढ़त बनाने में सफल रहा। यह एसी मिलान की दो सप्ताह से भी कम समय में नेपोली पर दूसरी जीत है। उसने दो अप्रैल को सीरि ए के मुकाबले में नेपोली को 4-0 से हराया था। नेपोली को मिडफील्डर आंद्रे फ्रैंक ज़ाम्बो एंगुइसा को दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण अंतिम 16 मिनट में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इन दोनों टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल का दूसरा चरण अगले मंगलवार को नेपल्स में खेला जाएगा। इस क्वार्टर फाइनल की विजेता टीम का मुकाबला सेमीफाइनल में इंटर मिलान या बेनफिका से होगा। इंटर मिलान ने क्वार्टर फाइनल का पहला चरण 2-0 से जीता था।

दोहा डाइमंड लीग के साथ सत्र की शुरुआत करेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दोहा में पांच मई को सितारों से सजी डाइमंड लीग प्रतियोगिता के साथ सत्र की शुरुआत करेंगे। पिछले साल सितंबर में डाइमंड लीग का ग्रैंड फिनाले जीतने वाले गत चैंपियन 25 साल के चोपड़ा के अलावा विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक रजत पदक विजेता याकुब वाडलेच भी इस 14 चरण की एक दिवसीय सीरीज की सत्र की पहली प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पिछले साल स्टॉकहोम में डाइमंड लीग प्रतियोगिता में रजत पदक के दौरान 89.94 मीटर का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चोपड़ा अभी तुर्किये में ट्रेनिंग कर रहे हैं और 31 मई तक वहां रहेंगे।

चोट के कारण यह भारतीय सुपरस्टार दोहा 2022 डाइमंड लीग में नहीं खेल पाया था जहां पीटर्स ने 93.07 मीटर की दूरी के साथ खिताब जीता था जो इतिहास की पांचवीं सबसे लंबी दूरी थी। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता वाडलेच 90.88 मीटर के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। इस स्टार तिकड़ी के अलावा दोहा प्रतियोगिता में यूरोपीय चैंपियन जर्मनी के जूलियन वेबर, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकोट (निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.16 मीटर), पूर्व विश्व चैंपियन और 2016 ओलंपिक रजत पदक विजेता कीनिया के जूलियस येगो (निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 92.72 मीटर) भी टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे।

ट्रैक एवं फील्ड में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय चोपड़ा की नजरें इस साल 90 मीटर के लक्ष्य को हासिल करने पर टिकी हैं। चोपड़ा ने कहा, ''मैं 90 मीटर की दूरी के करीब पहुंच रहा हूं इसलिए इसे हासिल करना मेरे लिए काफी मायने रखता है।' उन्होंने कहा, ''पिछला साल मेरे लिए अच्छा था जहां विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक के साथ मैंने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वांडा डाइमंड लीग जीती। यह साल नए मौके लेकर आएगा। इन गर्मियों में मेरा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप के साथ एशियाई खेल हैं और वांडा डाइमंड लीग खिताब का बचाव भी करना है।'

तोक्यो ओलंपिक में 2021 में इतिहास रचने के बाद चोपड़ा ने अमेरिका में 2022 विश्व चैंपियनशिप में रजत जीता जहां पीटर्स ने स्वर्ण जीता। वह हालांकि चोट के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक की रक्षा करने नहीं उतरे जो उन्होंने 2018 प्रतियोगिता में जीता था। चोपड़ा ने हालांकि चोट से उबरने के बाद स्विट्जरलैंड में डाइमंड लीग फाइनल जीता। डायमंड लीग 2023 सत्र की शुरुआत पांच मई को दोहा के कतर स्पोर्ट्स क्लब में होगी और इसका समापन अमेरिका के यूजीन (16-17 सितंबर) में दो दिन चलने वाले फाइनल के साथ होगा।

राहुल गांधी मानहानि केस में सूरत कोर्ट 20 अप्रैल को सुना सकती है फैसला

सूरत। सूरत कोर्ट में राहुल गांधी मानहानि केस में सजा को लेकर दाखिल याचिका पर आज सुनवाई पूर्ण हो गई है। कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जानकारी है कि सूरत कोर्ट आगामी 20 अप्रैल को अपना फैसला सुना सकती है। राहुल गांधी ने निचली अदालत द्वारा दी गई अपनी सजा पर रोक की मांग करते हुए सूरत की कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सूरत सेशन कोर्ट में सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के वकील आरएस चीमा ने कहा कि उनके मुवक्कील वायनाड से रिकार्ड वोटों से जीतकर लोकसभा पहुंचे थे और उन्हें दो साल की सजा सुनाए जाने से उनकी संसद की सदस्यता रद्द कर दी गई है। राहुल गांधी ने किसी की मानहानि करने वाला बयान नहीं दिया। उनके खिलाफ इसलिए कार्यवाही की गई, क्योंकि वह प्रधानमंत्री की आलोचना करते हैं। जिसके लिए राहुल गांधी के खिलाफ गलत ट्रायल चलाया गया। चीमा ने कहा कि राहुल गांधी को केवल आधे घंटे में दोषी ठहराकर उन्हें सजा सुना दी गई। बचाव पक्ष की ओर से मानहानि केस में विभिन्न जजमेंट के आधार पर दलील की गई। आज दोनों पक्षों की दलीलें खत्म होने के बाद कोर्ट ने 20 अप्रैल को राहुल गांधी की सजा पर स्टे देने पर फैसला सुनाएगी। शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी के वकील हर्षित टोलिया ने कोर्ट में दलील दी कि निचली अदालत ने इस मामले में राहुल गांधी को सजा सुनाई है। सजा से पहले निचली अदालत ने सभी प्रमाणों की जांच की और उसके बाद ही सजा का सुनाई थी। चुनाव के दौरान इस प्रकार की बयानबाजी एक गंभीर अपराध है। वकील ने कहा कि देश के दूसरे नंबर की पार्टी और उसके सांसद होने के नाते इस प्रकार की बयानबाजी करने से बचना चाहिए। आरोपी के खिलाफ फौजदारी मानहानि के 10 से 12 केस दर्ज हैं और सुप्रीम कोर्ट भी उन्हें फटकार लगा चुकी है। कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दिया है और उसके बाद भी उनका कहना है कि उन्होंने कुछ गलत नहीं कहा। यह आरोपी का अभिमान है। आरोपी का कहना है कि उनके क्षेत्र में उपचुनाव हो सकता है और वह उसमें उम्मीदवारी करना चाहते हैं। इतना ही नहीं वह उपचुनाव में भारी बहुमत से जीतने का दावा भी करते हैं। सवाल यह है कि क्या ऐसे समय में इन दावों को ध्यान में लिया जा सकता है।

हिन्दुवादी नेता काजल हिन्दुस्तान को मिली राहत, ऊना कोर्ट ने जमानत की मंजूर

गिर सोमनाथ । गिर सोमनाथ जिले की ऊना कोर्ट से काजल हिन्दुस्तानी को बड़ी राहत मिली है। ऊना की कोर्ट ने काजल हिन्दुस्तान की जमानत मंजूर कर ली है। इससे पहले 11 अप्रैल को कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा था। दरअसल गिर सोमनाथ जिले के ऊना में रामनवमी के अवसर पर काजल हिन्दुस्तानी ने भड़काऊ बयान दिया था। काजल हिन्दुस्तानी ने लव जिहाद के खिलाफ सेना बनाने का आह्वान किया था। काजल के बयान के बाद ऊना में एक समुदाय ने बंद का आह्वान किया था। जिसे लेकर समूचा ऊना पूरी तरह बंद रहा। स्थिति को देखते हुए ऊना के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। काजल के बयान के बाद ऊना में दो समुदायों के बीच टकराव हुआ था। इस मामले में करीब 100 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने काजल हिन्दुस्तानी को भड़काऊ बयानबाजी के मामले में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। हंलाकि पुलिस ने रिमांड नहीं मांगी थी, जिससे कोर्ट ने काजल हिन्दुस्तानी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जिसके बाद जूनागढ़ की जेल में काजल हिन्दुस्तानी को रखा गया। इस मामले में काजल हिन्दुस्तानी को ऊना कोर्ट से जमानत मिल गई है।

गुजरात में कोरोना के बढ़ते मामलों ने सरकार की बढ़ाई चिंता

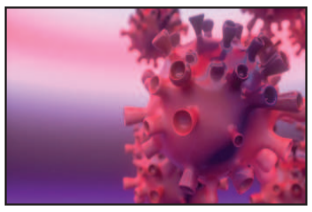

अहमदाबाद। गुजरात में फिर एक बार कोरोना रफ्तार पकड़ता नजर आने लगा है। गुरुवार को राज्य में कोरोना के कुल 417 नए मरीज सामने आए हैं, जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद में 139 दर्ज हुए। दूसरी ओर कोरोना से ठीक होने पर 322 लोगों को डिस्चार्ज कर दिया गया। पिछले कई दिनों से राज्य में कोरोना के मामलों में उतार-चढ़ाव के बीच अचानक इसके रफ्तार पकड़ने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। लोगों में कोरोना को लेकर डर दिखने लगा है। लगातार बढ़ते कोरोना के मरीजों को देखते हुए राज्य के सभी अस्पतालों में दो दिवसीय मोकड्रील का आयोजन किया गया था। कोरोना के मरीजों के लिए व्यवस्था समेत इससे निपटने के लिए 10 और 11 अप्रैल को राज्य के सभी अस्पतालों में मोकड्रील किया गया। वैक्सीन को लेकर भी स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने लोगों को आश्वासन दिया था कि वैक्सीन का स्टॉक मांगा गया है और उसके मिलते ही लोगों तक पहुंचाया जाएगा। 24 घंटों में नए मामले सामने आने के बाद राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 2087 पर पहुंच गई है। जिसमें 3 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 2084 लोग स्टेबल हैं। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 136 नए केस दर्ज हुए। मेहसाणा में 46, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 29, सूरत कॉर्पोरेशन में 28, वडोदरा में 26, सूरत में 23, पाटण में 20, भरुच में 15, वलसाड में 14, गांधीनगर में 12, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 7, राजकोट कॉर्पोरेशन में 7, राजकोट में 6, आणंद, मोरबी, साबरकांठा में 5-5, भावनगर कॉर्पोरेशन, कच्छ में 4-4, अहमदाबाद, गिर सोमनाथ, नवसारी, सुरेन्द्रनगर में 3-3, दाहोद, जामनगर कॉर्पोरेशन, खेडा, पंचमहल, पोरबंदर में 2-2, अमरेली, अरवल्ली और भावनगर में 1-1 समेत राज्यभर में कुल 417 नए मरीज सामने आए हैं। जबकि 322 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। राज्य में अब तक 1273152 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 11065 लोगों की कोरोना से जान चली गई। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.98 प्रतिशत है।

एकतरफा प्यार में शख्स ने नाबालिग लड़की पर किया जानलेवा हमला

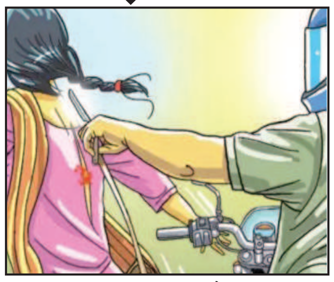

अहमदाबाद। शहर के वाडज क्षेत्र में एकतरफा प्यार पागल 35 वर्षीय शख्स ने नाबालिग लड़की तीक्ष्ण हथियार से हमला कर दिया। जिसमें लड़की की जान भी जा सकती थी, लेकिन समय रहते उसे अस्पताल पहुंचाया गया। लड़की के गले में 35 टांके लगाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के वाडज क्षेत्र में परिवार के साथ रहनेवाली नाबालिग लड़की बीती शाम सब्जी लेने घर से निकली थी। उस वक्त भरत बोडाण नामक 35 वर्षीय शख्स ने तीक्ष्ण हथियार से लड़की पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल लड़की को लहुलूहान हालत में शहर के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। खबर मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंच गई, जहां लड़की के परिवार ने भरत बोडाण के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। परिवार ने पुलिसको बताया कि वह चार साल पहले ही वाडज क्षेत्र में रहने आए थे। जहां भरत बोडाण नामक शख्स उनकी बेटी को परेशान करता था। दो साल पहले उसने लड़की के समक्ष प्रेम का इजहार किया था। लेकिन लड़की ने इंकार कर दिया था। इंकार के बाद भरत ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। बाद में भरत लड़की से शादी का प्रस्ताव लेकर उसकी माता के पास पहुंच गया। लेकिन भरत लड़की की आयु से 23 साल अधिक होने की वजह से माता उसके साथ शादी करने से इंकार कर दिया। इसके बावजूद भरत ने लड़की को परेशान करना नहीं छोड़ा। एकतरफा प्यार में पागल भरत लड़की को पाने के लिए सारी हदें पार कर दी। पिछले एक महीने से भरत लड़की का लगातार पीछा कर रहा था। भरत उसे आत्महत्या करने या हत्या करने की धमकी देता था। जिससे लड़की को घर से बाहर निकलने में भी डर लगता था। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी भरत बोडाण को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

15 अप्रैल से गर्मी दिखाएगी अपने कड़े तेवर, 15-16 को अहमदाबाद में यलो अलर्ट

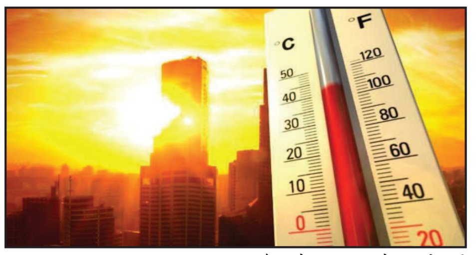

अहमदाबाद। गुजरात में 15 अप्रैल से गर्मी अपने कड़े तेवर दिखाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 5 दिन में राज्य में वातावरण सूखा रहेगा। 15 और 16 अप्रैल को अहमदाबाद में यलो अलर्ट जारी किया गया है। बता दें कि बीते दिन अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर और राजकोट में गरमी का पारा 41 डिग्री को पार कर गया था। 15 अप्रैल के बाद इसके बढ़ने की संभावना है। एक प्राइवेट संस्था के मुताबिक आगामी 18 अप्रैल तक राज्य में तापमान 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। बीती रात अहमदाबाद में रात्रि का तापमान 26.2 डिग्री के साथ न्यूनतम तापमान में सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा दर्ज हुआ। दूसरी ओर कल उत्तर गुजरात, दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में बेमौसमी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। 14 अप्रैल को वलसाड, सूरत, नवसारी, अमरेली, भावनगर, दमण दादरा नगरहवेली में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने गुजरात में बारिश को लेकर भविष्यवाणी की है। अंबालाल के मुताबिक गुजरात में मानसून अच्छा रहेगा। खासकर कच्छ में अच्छी बारिश होगी। 2 मई से 15 जून के बीच बंगाल की खाड़ी में चक्रवात के सक्रिय होने की संभावना है। इस चक्रवात के कारण गुजरात में अच्छी बारिश होगी। इसके अलावा अरब सागर में हलका दबाव की संभावना अंबालाल पटेल ने व्यक्त की है।

पहले दलाल नौकरी बांटते थे, अब पीएम मोदी युवाओं को सीधे रोजगार देते हैं : रूपाला

राजकोट। केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने रोजगार को लेकर आज बड़ा बयान दिया। पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा कि पहले दलाल नौकरियां बांटते थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री बटन दबाते हैं और युवाओं नौकरी का सीधा नियुक्त पत्र मिल जाता है। केन्द्रीय मंत्री रूपाला राजकोट में आयोजित 'रोजगार मेला' के अवसर पर युवाओं को संबोधित कर रहे थे। दरअसल रेल विभाग की ओर से आज देश के विभिन्न स्थलों पर 'रोजगार मेला' का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी वर्च्युली उपस्थत रहे। पीएम मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए 'रोजगार मेला' के अंतर्गत 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। राजकोट के 25 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। इस मौके पर युवाओं को संबोधित करते हुए पहले भर्ती की घोषणा के बाद में इंटरव्यू आते थे। इंटरव्यू के फार्म भरने के बाद अधिकारियों के हस्ताक्षर और मुहर के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे। फार्म भरने के बाद भी उम्मीदवार का फार्म समय पर पहुंचेगा या नहीं, इसकी खास चिंता रहती थी। इंटरव्यू देने के बाद भी उसके नतीजे सामने आएंगे या नहीं इसकी अटकलें लगाई जाती थीं और इन सबके के बीच दलाल मार्केट में भटकते रहते थे। लेकिन अब ऐसी सभी समस्याओं को खत्म कर ऑन बोर्ड एक साथ प्रधानमंत्री के बटन दबाते ही ।0 हजार युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र मिल जाएं, ऐसी व्यवस्था की गई है। भाजपा सरकार ने उम्मीदवारों की सारी मुश्किलें खत्म कर दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की नई छवि स्थापित की है। इसलिए मेरा मानना है कि नए भारत की यह नई तस्वीर है। बता दें कि पीएम मोदी ने की वर्च्युअली उपस्थिति में आज 'रोजगार मेला' में नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ।1000 जितने युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि 'रोजगार मेला' रोजगार सर्जन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की पीएम मोदी की प्रतिबद्धता को पूर्ण करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। जॉब फेर रोजगार निर्माण में उत्प्रेरक के तौर पर काम करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण व राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए अर्थपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

4-इन-1 फ्लू वैक्सीन H3N2 और फ्लू के तीन अन्य प्रकारों और उनकी जटिलताओं से बचाने में मदद करेगा

सूरत। हाल ही में आईसीएमआर की एक रिपोर्ट से पता चला है कि एच3एन2 वायरस के कारण होने वाले फ्लू के मामले पूरे देश में फैल रहे हैं। यह वायरस लंबी बीमारी का कारण बनता है और अन्य प्रकार के फ्लू की तुलना में अधिक लोग अस्पताल में भर्ती होते हैं। कुछ मामलों में, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में H3N2 जानलेवा हो सकता है जो निमोनिया, ब्रोंकाइटिस और आक्षेप से पीड़ित हैं। आईसीएमआर के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले तीन महीनों में एसएआरआई* के 10 फीसदी मरीज एच3एन2 की जटिलताओं के कारण अस्पताल में भर्ती हुए हैं, जिन्हें ऑक्सीजन की जरूरत होती है और 7 फीसदी को आईसीयू देखभाल की जरूरत होती है।

H3N2A वायरस एक प्रकार का फ्लू है। हर साल, जलवायु में मौसमी बदलाव के कारण फ्लू बढ़ता है और तेजी से फैलता है। सालाना कुछ प्रकार दूसरों की तुलना में तेज़ी से फैलते हैं। ।3ह्2 सहित सभी फ्लू वायरस संक्रमित रोगी के खांसने, छींकने या बात करने से फैलते हैं। इसके अलावा किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने या किसी दूषित वस्तु को छूने और फिर नाक या मुंह को छूने से भी संक्रमण फैल सकता है।

H3N2 और अन्य फ्लू के तनाव के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले लोग 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, बड़े वयस्क, गर्भवती महिलाएं और मधुमेह, अस्थमा, गुर्दे की बीमारी और हृदय रोग वाले लोग हैं। फ्लू के संक्रमण के मुख्य लक्षण बुखार, ठंड लगना, गले में खराश, बहती या भरी हुई नाक और सिरदर्द और शरीर में दर्द है। H3N2 संक्रमण में बुखार 3 दिनों तक रहता है, लेकिन खांसी 3 सप्ताह तक रहती है।

डॉ। चेतन बी. शाह, एमडी पीडियाट्रिक्स, आनंद चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, कहते हैं, "हम पिछले दो महीनों से H3N2 वायरस के प्रकोप से गुजर रहे हैं। इस अवधि के दौरान कई बच्चों, विशेष रूप से पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले या फेफड़े, हृदय या गुर्दे की बीमारी वाले लोगों को अस्पताल या आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा है। मास्क, सैनिटाइजर और सोशल डिस्टेंसिंग के अलावा टीकाकरण से इस संक्रमण से बचा जा सकता है। इसलिए हर माता-पिता से आग्रह है कि वे अपने बच्चों को नया इन्फ्लुएंजा टीका देकर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाएं, जो एच3एन2 और स्वाइन फ्लू सहित 4 अलग-अलग फ्लू के वायरस से बचाता है।

"हाल ही में H3N2 फ्लू वायरस के कारण कुछ को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा है। बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं और मधुमेह, अस्थमा और हृदय रोग से पीड़ित लोगों को इसका खतरा बढ़ जाता है। फ्लू को रोकने के लिए सबसे प्रभावी उपायों में से एक 4-इन-1 फ्लू वैक्सीन है, जो एच3एन2 और 3 अन्य प्रकार के फ्लू से बचाता है। पहले एंडोक्राइन और डायबिटीज क्लीनिक के एमडी, एंडोक्रिनोलॉजिस्ट और डायबेटोलॉजिस्ट, डॉ. प्रदीप दलवाड़ी कहते हैं।

विभिन्न स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य कर्मियों, गर्भवती महिलाओं, जटिल बीमारियों से जूझ रहे लोगों, 65 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठों और 6 महीने से 5 वर्ष की आयु के बच्चों जैसे जोखिम वाले लोगों के लिए मौसमी फ्लू का टीका लगवाने की सलाह देते हैं। H3N2 फ्लू से बचाव और इसके प्रसार को रोकने के लिए डॉक्टरों द्वारा दिए गए अन्य सुझाव हैं बार-बार हाथ धोना, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना और संक्रमित लोगों के संपर्क में आने से बचना।

रियलमी ने 33W चार्जिंग और 64MPAI कैमरा के साथ नेक्स्ट-जनरेशन चार्जिंग लीडर नार्ज़ोN55का अनावरण किया

नई दिल्ली । भारत में सबसे भरोसेमंद टेक्नोलॉजी ब्रांड, रियलमी ने नार्ज़ो N सीरीज़ में अब तक की अपनी पहली बेहतरीन पेशकश का अनावरण किया। रियलमी नाज़ो N55 अमेज़ॉन स्पेशलस्मार्टफोन है जिसमें इतनी कीमत में फ्लैगशिप स्तर के सेंसर के साथ 64MP का कैमरा और 33W चार्जिंग है। इसमें मिनी कैप्सूल भी है जो तीन आवश्यक विशेषताएं प्रदान करता है- चार्ज नोटिफिकेशन, डेटा यूसेज नोटिफिकेशन और स्टेप नोटिफिकेशन।

नार्ज़ो N-सीरीज़ में स्टाईल एवं यूटिलिटी के साथ अत्याधुनिक फीचर्स, आधुनिक प्रिज़्म एस्थेटिक्स के साथ स्टाईलिश डिज़ाईन और शक्तिशाली प्रदर्शन जैसी खूबियाँ हैं। 'N' विस्तृत, अद्वितीय और असीमित संभावनाओं को प्रदर्शित करता है। यह उन लोगों पर केंद्रित है, जो दूसरों द्वारा परिभाषित होने से इंकार कर देते हैं, और जिनकी अद्वितीय रुचियाँ, महत्वाकांक्षाएं, और आकांक्षाएं हैं। रियलमी नार्ज़ो जैन-ज़ी को अगली जनरेशन की डिवाईसेज़ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और अमेज़ॉन के साथ शॉपिंग का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है।

नार्ज़ो सबसे स्टाईलिश एंट्री लेवल ऑल-राउंडर स्मार्टफोन श्रेणी है, जो यूज़र्स को अतुलनीय अनुभव प्रदान करने के लिए बनाई गई है। भारत में इसके 12.3मिलियन यूज़र्स हैं। नार्ज़ोह्र सीरीज़ के साथ रियलमी का उद्देश्य युवा पीढ़ी के लिए अगली जनरेशन के स्मार्टफोन बनाना है। रियलमी नार्ज़ो N5533W की सुपरवूक चार्जिंग के साथ फास्ट चार्जिंग आम जनसमूह तक पहुँचा रहा है। इसकी मदद से स्मार्टफोन केवल 29 मिनट में 50त्न चार्ज हो जाता है। रियलमी नार्ज़ो ह्55में 64MP का AI कैमरा है, जिससे यूज़र्स को अपनी पूरी रचनात्मकता का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। साथ ही इसमें 8MP का सेल्फी कैमरा और अनेक फोटोग्राफी फंक्शंस हैं, जिनमें एक्सक्लुसिव स्ट्रीट फोटोग्राफी मोड और नाईट मोड के साथ कई दिलचस्प फोटोग्राफी के विकल्प शामिल हैं। रियलमी नार्ज़ो N55के साथ रियलमी यूज़र्स को मिनी ड्रॉप स्क्रीन की बजाय पंच होल स्क्रीन का बेहतर अनुभव प्रदान कर रहा है और साथ ही 90 Hz. का रिफ्रेश रेट पेश कर रहा है। इस फोन में मीडियाटेक हेलियो G88चिपसेट लगा है।

नार्ज़ो N55विशाल स्टोरेज प्रदान करता है और सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ डाईनैमिक रैम के साथ आता है, जो 12GB डाईनैमिक रैम तक अपग्रेड हो सकती है। यह बॉक्स में रियलमी Iy.0 के साथ आता है। इसमें एक नया फीचर "ऑटो पिक्सिलिएट"है, जो प्रोफाईल फोटो और स्क्रीनशॉट में नामों को पहचानकर पिक्सिलिएट कर देता है, जिससे यूज़र्स को एक ही टेप में सुरक्षा बचाव प्राप्त हो जाता है। रियलमी नार्ज़ो ह्55दो आकर्षक रंगों - प्राईम ब्लू और प्राईम ब्लैक में उपलब्ध है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)